डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

# आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः इस सिंगिंग रियलिटी शो से बाहर हो गए थे अरिजीत सिंह

वर्ष -08 अंक -46 | प्रयागराज, सोमवार 26 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

## संक्षिप्त समाचार

**बेंगलुरु में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स को पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा देश की ताकत में योगदान दे रही खेल शक्ति**

**बेंगलुरु।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि खेल की शक्ति देश की ताकत में योगदान दे रही है। मोदी ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 के उद्घाटन के मौके पर वीडियो संदेश में कहा, खेल शक्ति भारत की शक्ति बनती जा रही है और खेलों में पहचान देश की पहचान बन रही है। इन खेलों को पहले पिछले साल आयोजित किया जाना था लेकिन कोरोना के कारण इसका आयोजन नहीं हो सका। प्रधानमंत्री ने कहा कि टोक्यो ओलिंपिक में हिस्सा लेने वाले एथलीटों के चेहरों पर खुशी केवल पदक जीतने की नहीं बल्कि देश के लिए खेलने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बेंगलुरु में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का होना इस खूबसूरत शहर की उर्जा को और बढ़ाएगा। मैं कर्नाटक सरकार को इन खेलों के आयोजन के लिए बधाई देता हूं। ग्लोबल पेंडेमिक की तमाम चुनौतियों के बीच ये खेल भारत के युवाओं के दृढ़ संकल्प और जज़्बे का उदाहरण है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए आप सभी को बहुत बहुत बधाई। बेंगलुरु शहर देश के युवा जोश की पहचान है और प्रोफेशनल्स की शान है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया वाले बेंगलुरु में खेलो इंडिया का आह्वान अहम है। स्टार्ट-अप्स की दुनिया में स्पोर्ट्स का ये संगम, अद्भुत है। खेल और जीवन में जज्बे, जोश और जुनून का महत्व है। इसमें जो चुनौतियों को गले लगाता है, वो विजेता होता है। दोनों में हार भी जीत होती है, हार भी सीख होती है। सफल होने का पहला मंत्र होता है।

**पांच बरस पुरानी है बिजली संकट की कहानी; संयंत्रों की निगरानी भगवान भरोसे, जानें कैसे बढ़ती गई यह समस्या**

**नई दिल्ली।** देश में संभावित बिजली संकट को रोकने में बिजली, कोयला और रेल मंत्रालय की सक्रियता चरम पर है। बिजली संयंत्रों को कोयला आपूर्ति सुचारु करने के लिए ना केवल कोल इंडिया लिमिटेड ने उत्पादन बढ़ाया है बल्कि कोयला ढुलाई के लिए रेल मंत्रालय के साथ मिलकर काम भी कर रहा है। इसके बावजूद महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत कुछ दूसरे राज्यों में बिजली की कटौती शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि अगर कोयला आपूर्ति तेजी से नहीं बढ़ाई गई तो मई के पहले पखवाड़े में देश के कई राज्यों में बिजली कटौती की स्थिति पैदा हो जाएगी।

## कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के शंकरनारायणन का 89 साल की उम्र में निधन कई राज्यों के बने थे राज्यपाल

**पलक्कड़।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के शंकरनारायणन का रविवार को पलक्कड़ में निधन हो गया। 89 वर्ष के कांग्रेस नेता ने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। शंकरनारायणन कई बिमारियों से पीडित थे और उनका ईलाज चल रहा था। शंकरनारायणन का लम्बा पोलिटिकल करियर रह चुका है, उन्होंने छह राज्यों के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था। उन्होंने महाराष्ट्र, नागालैंड और झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया तो वहीं अरुणाचल प्रदेश, असम और गोवा राज्यों में राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। शंकरनारायणन कम से कम चार बार केरल विधानसभा के लिए चुने गए थे। राज्यपाल के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, वह केरल सरकार में विभिन्न मंत्रालयों के चार बार मंत्री थे। उन्होंने के करुणाकरण और एके एंटनी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के

नेतृत्व वाली सरकार में कृषि, पशुपालन और डेयरी विकास, सामुदायिक विकास, साथ ही आबकारी विभागों को संभाला। वह 16 साल तक यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के संयोजक भी रहे थे। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने के शंकरनारायणन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट किया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के शंकरनारायणन के निधन पर मेरी संवेदना। उन्होंने नेहरूवादी और धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को बरकरार रखा। वह एक जन-उन्मुख राजनेता थे। राज्यपाल, मंत्री और विधायक के रूप में उन्होंने लोगों के अनुकूल कदम उठाए और विकास के लिए खड़े रहे। दूसरी ओर राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान और विभिन्न क्षेत्रों के कई अन्य नेताओं ने भी अपनी संवेदना व्यक्त की। विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने भी शंकरनारायणन के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि यह कांग्रेस पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति है। शंकरनारायणन मेरे लिए एक संरक्षक थे। उन्होंने कहा गंभीर राजनीतिक संकट के दौरान भी शंकरनारायणन ने हर समस्या का आसानी से सामना किया।

## पीएम मोदी आज करेंगे रायसीना डायलाग का उद्घाटन

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को सातवें रायसीना डायलाग का उद्घाटन करेंगे। सिर्फ सात साल पहले 2016 में शुरू किया गया रायसीना डायलाग सिर्फ भारतीय कूटनीति के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति के विशेषज्ञों, शोधार्थियों,

राजनेताओं और नीति-निर्धारकों के बीच विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। दो वर्ष तक इसका आयोजन वर्चुअली हुआ था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 25 अप्रैल से 27 अप्रैल तक तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सूला लेयन शामिल होंगी। आयोजन में दुनिया के 90 देशों के प्रतिनिधि (जिसमें 25 देशों के वरिष्ठ मंत्री शामिल है) शामिल होंगे। इस बार के आयोजन का थीम 'टेरा नोवाः इंपैसंड, इंपेसेंट और इंपेरिल्ड' रखा गया है। धरती का सबसे पुराना नाम टेरा नोवा है। इस नाम से थीम रखने के पीछे उद्देश्य यही है कि धरती को नए दृष्टिकोण से देखा जाए। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस थीम के तहत छह प्रमुख विषय हैं जिसके आसपास पूरा आयोजन केंद्रित होगा। ये हैं लोकतंत्र के बारे में नए सिरे से विचार, बहुपक्षीय एजेंसियों की भूमिका, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति, स्वास्थ्य व विकास को लेकर सामुदायिक स्तर पर उत्पन्न चुनौतियां, पर्यावरण की चुनौतियों को पार करते हुए हरित व्यवस्था के लक्ष्य और तकनीकी के क्षेत्र में बदलती स्थिति।

## कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच प्रशांत किशोर ने की केसीआर से मुलाकात, टीआरएस के लिए काम कर रही उनकी टीम

**हैदराबाद।** कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर हैदराबाद में दो दिनों से तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव

(केसीआर) से बातचीत कर रहे हैं। प्रशांत किशोर के साथ केसीआर की क्या बात हुई है, इसके बारे में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। सनद रहे पीके की केसीआर के साथ बैठक ऐसे वक्त में हो रही है जब उनके कांग्रेस में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि शनिवार और रविवार को दोनों के बीच काफी देर तक बैठकें हुई हैं। माना जाता है कि बैठक में देश की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार किशोर ने तेलंगाना में अपनी टीम द्वारा किए गए सर्वे की रिपोर्ट केसीआर को सौंपी। दोनों के बीच यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस तरह की खबरें हैं कि प्रशांत किशोर जल्द ही कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। केसीआर ने मार्च में कहा था कि प्रशांत किशोर के साथ मिलकर वह पूरे देश में परिवर्तन के लिए काम कर रहे हैं। के चंद्रशेखर राव प्रशांत किशोर को अपना सबसे अच्छा दोस्त बता चुके हैं। उन्होंने किसी कार्य को लेकर पीके के प्रतिबद्धता की तारीफ की थी। के चंद्रशेखर राव विभिन्न गैर-भाजपा दलों को एकजुट करने की कोशिशें करते रहे हैं। टीआरएस के नेता केटी रामाराव ने रविवार को कहा कि प्रशांत किशोर की इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आइ-पीएसी) टीआरएस के लिए आधिकारिक रूप से काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि टीआरएस सिर्फ आइ-पीएसी के साथ काम कर रही है, प्रशांत किशोर के साथ नहीं। केटी रामाराव ने राहुल गांधी का मजाक उड़ाते हुए कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कांग्रेस को एक कमजोर पार्टी बताया।

## तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने सीएम केसीआर पर वोट खरीदने का लगाया आरोप लोगों से कहा-पैसा लेकर बीजेपी को करें मतदान

**महबूबनगर।** तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष बंदी संजय ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर वोट के बदले लोगों को पैसे देने का आरोप लगाया है। उन्होंने लोगों से कहा कि मानना है कि अगर वह पैसे देते हैं, तो गरीब लोग उन्हें वोट दे देंगे। लेकिन यह उनकी गलतफैमी है, मैं कहता हूं कि उनसे पैसे ले लेने चाहिए। इस तरह, उनका बैंक बैलेंस कम हो जाएगा नहीं तो वह और अमीर हो जाएंगे और आप गरीब बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि आपको पैसे लेने होंगे, अगर वह 5,000 रुपये या 10,000 रुपये दें तो भी आप ले लें।संजय ने केसीआर पर आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव में वह जो भी पैसा बांट रहे हैं, वह पीएम मोदी द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए दिया गया आपका पैसा है। उन्होंने कहा कि केसीआर लोगों का पैसा चुनाव जीतने में इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन गरीब लोग अपना वोट कभी नहीं बेचेंगे। गरीब लोगों में ईमानदारी और प्रतिबद्धता हमेशा बनी रहेगी। दुब्बाक और हुजुराबाद उपचुनावों का जिक्र करते हुए संजय ने कहा कि टीआरएस ने चुनाव से पहले पैसे बांटे लेकिन लोगों ने बीजेपी को वोट दिया। बता दें कि तेलंगाना में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) पैसा बांट रही है तो पैसा ले लो लेकिन वोट भाजपा को ही देना। भाजपा नेता ने यह बात महबूबनगर जिले के पाथरचेड गांव में प्रजा संग्राम यात्रा निकालते समय कही है। सभा को संबोधित करते हुए, संजय ने कहा, ठकेसीआर का

## किरीट सोमैया पर हमले के मामले में दिल्ली आएगा भाजपा प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह सचिव से करेगा मुलाकात

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के भाजपा नेता किरीट सोमैया पर हमले के मामले में सियासी घमासान तेज

हो गया है। महाराष्ट्र से भाजपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को दिल्ली पहुंच रहा है। भाजपा नेता इस सिलसिले में केंद्रीय गृह सचिव से मुलाकात करेंगे। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में विधायक मिहिर कोटेचा, अमित सातम, पराग शाह, राहुल नारवेकर, विनोद मिश्रा और खुद किरीट सोमैया शामिल हैं। भाजपा नेता दिल्ली में नार्थ ब्लाक में केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला से मुलाकात करेंगे। किरीट सोमैया ने शिव सैनिकों पर हमले का आरोप लगाया है। दरअसल, किरीट सोमैया शनिवार रात अमरावती की सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की गिरफ्तारी के बाद उनसे मिलने खार पुलिस थाने गए थे। वहां थाने से निकलते समय बाहर बड़ी संख्या में जमा शिवसैनिकों ने उन पर हमला बोल दिया था। सोमैया ने पथराव का आरोप लगाया है। खार पुलिस स्टेशन से निकलने के बाद किरीट सोमैया ने ट्वीट कर बताया कि शिवसेना के गुंडों ने खार थाने पर भारी पथराव किया। पथराव में उनकी गाड़ी के शीशे टूटे और वे घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि वह अमरावती सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक रवि राणा से मिलने गए थे। किरीट सोमैया पर हमले के बाद भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर चौतरफा हमला बोला है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस इन दिनों राजनीतिक दल के कार्यकर्ता की तरह व्यवहार कर रही है। फडणवीस ने कहा कि मैं महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दे रहा हूं, कि आप हमें इरा नहीं सकते। हम लोग कानून की इज्जत कर रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं कि आप हम पर हमला करते रहे हैं। हम जैसे को तैसा जवाब दे सकते हैं। वहीं, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि क्या सरकार महाराष्ट्र में केरल या बंगाल जैसी स्थिति बनाना चाहती है चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि भाजपा नेता किरीट सोमैया पर हमला उन्हें मारने का प्रयास नहीं था यह घटना थाना परिसर में हुई।

## शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थान अब अपने बेहतर कामों को करेंगे साझा

**नई दिल्ली।** उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने की छिड़ी मुहिम के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एक और अहम कदम उठाया है। जिसमें उच्च शिक्षा के शीर्ष संस्थान अब अपनी प्रत्येक अच्छी शैक्षणिक पहलों (एकेडमिक प्रैक्टिस) को दूसरे संस्थानों के साथ साझा करेंगे। इसकी शुरुआत इसी महीने से होगी, जो पूरे एक साल तक चलेगी। इस दौरान हर सप्ताह देश का कोई एक शीर्ष संस्थान उदाहरणों के साथ अपनी किसी एक अच्छी पहल को सभी के सामने रखेगा। यूजीसी ने यह कदम तब उठाया है, जब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बड़े बदलावों को अपनाया जा रहा है। माना जा रहा है कि बदलावों के साथ शीर्ष संस्थानों की अच्छी पहलों को भी यदि अन्य उच्च शिक्षण संस्थान अपना लेते है, तो तय लक्ष्यों को तेजी से हासिल किया जा सकता है। यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि मौजूदा समय में देश में एक हजार से ज्यादा विश्वविद्यालय व करीब 42 हजार कालेज हैं, हालांकि इनमें से विश्वस्तरीय रैंकि?ग में कुछ ही चुनिंदा संस्थान शामिल हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में भी करीब सौ संस्थान हैं।

## कोरोना महामारी के बाद भी भारत ने कृषि निर्यात में ५० अरब अमेरिकी डालर के उच्चतम स्तर को छुआ, जानिए कैसे

**नई दिल्ली।** देश के कृषि निर्यातमें उच्च स्तर पर बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय देखी जा रही है, जब पूरा देश कोरोना महामारी के कारण विभिन्न चुनौतियों से लड़ रहा था और पूरा देश बंद था, तब भी हमारी कृषि उत्पादों में वृद्धि पाई गई। इस उपलब्धि पर वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि 'वाणिज्य विभाग द्वारा भारत को दुनिया के लिए खाद्य टोकरी में बदलने के लिए उठाए गए कई कदमों के माध्यम से कृषि निर्यात के 50 अरब अमरीकी डालर के उच्चतम अंक तक पहुंचने की उपलब्धि हासिल की गई। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि पिछला उच्चतम चिह्न 2013-14 में 43 बिलियन अमरीकी डालर था, जिसके बाद निर्यात में एक प्रकार की गिरावट देखी गई और 2016-17 तक इस आंकड़े में 10 बिलियन अमरीकी डालर की कमी

आई, जिसके बाद विभाग वाणिज्य विभाग ने कृषि निर्यात में कमी के चार मुख्य कारणों की पहचान की अधिकारियों ने कहा, 'पहले, कृषि उपज के उत्पादन और निर्यात के बीच एक डिस्कनेक्ट था। दूसरा, राज्य सरकार और किसान निर्यातोन्मुख उत्पादन की अवधारणा से अच्छी तरह परिचित नहीं थे।' पीयूष गोयल के नेतृत्व वाले मंत्रालय ने यह भी पाया कि राज्य केवल केंद्र सरकार के डोमेन के रूप में निर्यात ले रहे थे और राज्य सरकारों के साथ कृषि निर्यात बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञता की कमी भी थी। वाणिज्य विभाग ने इन मुद्दों को हल करने के लिए एक योजना तैयार की और पहली बार न केवल राज्यों बल्कि जिला और ग्राम स्तर के किसानों तक भी पहुंचा।

## भारत ने चीन के नागरिकों के पर्यटक वीजा निलंबित किए

**नई दिल्ली।** भारत ने चीनी नागरिकों को जारी पर्यटक वीजा को निलंबित कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आइएटीए) ने 20 अप्रैल को यह जानकारी दी। भारत ने यह कदम चीन के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को अपने यहां

आने देने में उसकी उदासीनता के बाद उठाया है। भारत चीन के विश्वविद्यालयों में पंजीकृत लगभग 22,000 भारतीय छात्रों की परेशानी का मुद्दा चीन के समक्ष उठाता रहा है। ये छात्र वहां जाकर कक्षाएं नहीं ले पा रहे हैं। चीन ने अभी तक इन छात्रों को अपने यहां आने की मंजूरी नहीं दी है। 2020 की शुरुआत में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण इन छात्रों को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़कर भारत लौटना पड़ा था। भारत को लेकर 20 अप्रैल को जारी एक परिपत्र में आइएटीए ने कहा कि चीन के नागरिकों को जारी किए गए पर्यटक वीजा अब वैध नहीं है।इसमें कहा गया है कि निमनलिखित यात्रियों को भारत में प्रवेश करने की अनुमति है-भूटान, भारत, मालदीव और नेपाल के नागरिक, भारत द्वारा जारी निवास परमिट वाले यात्री, भारत द्वारा जारी वीजा या ई-वीजा वाले यात्री, ओवरसीज सिटिजन आफ इंडिया (ओसीआइ) कार्ड या बुकलेट वाले यात्री, भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआइओ) कार्ड वाले यात्री और राजनयिक पासपोर्ट वाले यात्री।

# थाना थरवई में चार महिला एक पुरुष की निर्मम हत्या से मानवता शर्मसार हुई

## दो वर्ष की मासूम बेटी को भी नहीं बख्शा

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** रविवार 24 मई को सपा प्रतिनिधि मंडल ख़ेवराजपुर गाँव पहुँचकर पीडितों से मिला , निधि यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी महिला सभा एवं प्रवक्ता समाजवादी पार्टी ने घटना पर छोभ , दुःख व्यक्त करते हुए कहा की सरकार महिलाओं , बेटियों की सुरक्षा करने में नाकाम है प्रतिनिधिमंडल में सर्व श्री दुर्गा प्रसाद विधायक ,पूर्व मंत्री , पूर्व एम एल सी बासुदेव यादव,राम बृक्ष यादव , विधायक गीता पासी , पूजा पाल शामिल रहे । मौक़े पर विधायक विजमा यादव ,योगेश यादव , पूर्व प्रमुख अनिल यादव अमरनाथ मौर्य , महबूब उस्मानी सहित बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहा । हत्यारों को जल्द गिरफ़्तार करने , सी बी आई जाँच ,पीडित को एक करोड़ मुआवज़ा ,सरकारी नौकरी की माँग सरकार से की गई ।

# राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला समिति गठित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतापगढ़।** जनपद में राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक हुई जिसमें समिति का नए सिरे से गठन किया गया। दो वर्षों से भंग चल रही कार्यकारिणी का गुरुवार को संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने गठन किया।यह गठन गोंड़े गाँव में स्थित माँ अष्टभुजी प्राँगण में रविवार को किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया के निर्देश पर काशी प्रांत के अध्यक्ष नरेंद्र शास्त्री की मौजूदगी में पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। जिसमें नीरज कुमार सिंह को प्रतापगढ़ का जिलाध्यक्ष तो कुंडा का जिलाध्यक्ष रोहित पांडेय को चुना गया। शिवमोहन पांडेय को जिला उपाध्यक्ष चुना गया।नई समिति में किसी भी पुराने सदस्य को जगह नहीं दी गई।

# राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह का 27 अप्रैल को प्रयागराज में आगमन, किसानों में हर्ष

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के आगमन पर कुंडा, नवाबगंज के रास्ते से होकर 12:00 बजे तक फाफामऊ बाईपास पर पहुंचने की खबर बताई जा रही है।भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के युवा मंडल अध्यक्ष एवं जिला

प्रयागराज के किसानों में हर्ष। किसान नेता बब्लू दूबे के द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार दिनांक 27 अप्रैल 2022 दिन बुधवार को जनपद प्रयागराज में बीकेयू (भानु गुट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीबी, किसान हितैषी भानु प्रताप सिंह का आगमन झलवा स्थित किसान पार्क में है। भानु प्रताप सिंह लखनऊ से चलकर प्रभारी (मेन बॉडी) प्रयागराज बब्लू दूबे ने मंडल के तीनों जनपदों प्रयागराज, प्रतापगढ़ एवं कौशाम्बी के सभी जिम्मेदार किसान पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं किसानों से अनुरोध करते हुए कहा कि फाफामऊ बाईपास के पास दोपहर 12:00 बजे सभी लोग उपस्थित एवं एकत्र होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह का भव्य स्वागत करें एवं किसान पार्क झलवा तक राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ चलें।

# राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** पंचायती राज मंत्रालय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर ग्राम पंचायत भवन पर मौजा कुतुबपुर में प्रधान ऊषा देवी बिंद की अध्यक्षता में उक्त दिवस पर पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम के विकास संबंधी चलाई जा रही योजनाओं जैसे मनरेगा द्वारा ग्राम सभा के लंबित बड़े कार्य, मत्स्य पालन, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ पेयजल योजना, आदि के बारे में जानकारी पंचायत सहायक प्रियंका द्वारा दी गई। सचिव धर्मपाल बिंद ने गांव के विकास हेतु वरुणा नाले की सफाई, जलजमाव आदि पर विचार व्यक्त किया, इस अवसर ग्रामीणों के अलावा सफाई कर्मचारी रामबहादुर, रामकुमार एवं सम्मानित सदस्यगण व बीडीसी आदि उपस्थित रहे।

# जन आरोग्य मेला में 41 मरीजों ने ली दवाई

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैलहन पर रविवार को कुल 31 मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण करा कर दवाएं तथा सुझाव लिए। आज की प्रभारी डॉ0 तलत सिद्दीकी ने स्वास्थ्य मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा महिलाओं की जांच आदि करके उचित सुझाव दिए। डॉ0 विनोद पटेल तथा फार्मेसिस्ट अच्छेलाल पटेल ने भी भीषण गर्मी, चढ़ता पारा तथा लू से बचाव हेतु टिप्स दिए। कार्यक्रम 10:00 बजे से 2:00 बजे तक चला वीनू ए0 एन0 एम0 चंद्रकली, मीरा, नेहा, प्रभा, के अलावा नसीम, बी0 शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

# आदरणीय हरिकेश चौरसिया निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उत्तर

(आधुनिक समाचार सेव)

**लखनऊ।** द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज का निरीक्षण किया गया और समस्त कर्मचारियों की एक बैठक ली और बैठक में बताया कि आज हम सभी लोग जिस

मुकाम पर है, सभी प्रशिक्षणार्थियों की वजह से है शिक्षार्थी उत्तीर्ण होकर सर्टिफिकेट लेकर निकले तो सर्टिफिकेट के साथ जॉब लेटर भी उपलब्ध कराया जाए आगे बताया कि मैं इस पद पर आया तो विभाग में बहुत सी समस्याओं की फाइलें रखी हुई थी एक-एक करके मैंने पूरी फाइलों की समस्याओं को निपटारा करा दिया है उन्होंने कहा आईटीआई के परीक्षार्थी रोजगार या स्वरोजगार में ही रह जाते है इसलिए इन्हें अच्छी निपुणता आप सभी प्रशिक्षण दें संस्थानों में अनुदेशक के पदों के संबंध में भी निदेशक महोदय ने जानकारी दी कि शीघ्र 2504 अनुदेशकों की शीघ्र भर्ती किया जा रहा है अब संस्थान में अनुदेशकों की कमी नहीं रहेगी ,आगे भविष्य में अपने क्लास की लेक्चर सभी अनुदेशक यूट्यूब बनाकर पोर्टल पर लोड करें निदेशक महोदय ने यह भी बताएं कि नैनी जेल में अकुशल कैदियों की संख्या अधिक है हम प्रयास करके 100 से 150 शिशिक्षुओं को जेलों में भी अप्रेंटिस दिलाने का प्रयास कर रहे है इसके अलावा कर्मचारियों से समस्याओं के बारे में पूछा जिसमें अध्यक्ष नंदकिशोर बिंद ने पदनाम परिवर्तन, अनुदेशक से कार्य देशक और कार्य देशक से प्रधानाचार्य सेकंड, 4 600 ग्रेड वेतन, कार्यशाला परिचय का अनुदेशक के पद पर प्रमोशन आईटीआई कर्मचारी के आश्रित को 10 अंक न देकर 10 कोटा के तहत दिया जाए, प्रैक्टिकल परीक्षाएं ड्राइंग की कॉपी जांचने के लिए उचित मानदेय देने तथा 2016 में भर्ती हुए अनुदेशक जिनका इंक्रीमेंट आज तक लगा नहीं है उसको भी मांग की गई की गई इसके अलावा अनुज श्रीवास्तव, प्रियंका विश्वकर्मा ,ज्योति पांडे, रंजना शुक्ला, अनीता सरोज ,आकांक्षा जायसवाल इत्यादि ने अपनी बात रखें उनके साथ क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी , नोडल प्रधानाचार्य एस. के.श्रीवास्तव ,उप प्रधानाचार्य एसके गुप्ता ,कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर बिंद ,मंत्री भोला नाथ, कोषाध्यक्ष शहजाद अहमद खान ,विनोद कुमार ,अमृतलाल गुप्ता ,पीसी सिंह ,गंगासागर सिंह सुशीला ,नगीना सिंह, उमाशंकर, रामप्रीत, सुंद्रिका प्रसाद सूर्यमणि आलोक शर्मा बृजेश सिंह ,विपिन कुमार विश्वकर्मा ,बालकृष्ण त्रिपाठी मनीष मिश्रा एवं संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।


# नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

| क0सं0 | ट्रेड का नाम | ट्रेड की अवधि | योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1. | कोपा | 1 वर्ष | 12वीं पास |
| 2. | फिटर | 2 वर्ष | 10वीं पास |
| 3. | बेसिक कम्प्युटिंग | 6 माह | साक्षर |
| 4. | डाटा इंट्री ऑपरेटर | 6 माह | 10वीं पास |
| 5. | फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी | 6 माह | 8वीं पास |
| 6. | सेक्योरिटी सर्विस | 6 माह | 8वीं पास |
| 7. | कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली | 1 वर्ष | 10वीं पास |
| 8. | सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन | 1 वर्ष | 10वीं पास |
| 9. | इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स | 1 वर्ष | 8वीं पास |
| 10. | रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग | 1 वर्ष | 8वीं पास |
| 11. | योगा असिस्टेन्ट | 1 वर्ष | 10वीं पास |
| 12. | वेल्डिंग टेक्नोलॉजी | 1 वर्ष | 8वीं पास |
| 13. | कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स | 1 वर्ष | 10वीं पास |

**1.प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790


# पंचायतों को विकसित करने सभी का सहयोग जरूरी। अमित कुमार

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** ग्राम पंचायतों को विकसित करने में सभी का सहयोग जरूरी होता है उक्त बाते रविवार को ग्राम पंचायत सचिवालय कोड़ापुर में पंचायतीराज के स्थापना दिवस पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत विकास अधिकार अमित कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा की वर्तमान सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों को विकास की हर कड़ी से जोड़ने के लिए प्रयासरत रहे जिसमे सरकारी अधिकारी कर्मचारी के अतिरिक्त ग्रामीणों को भी विकास की कड़ी में अपना सहयोग प्रदान करने की जरूरत होती है इस मौके पर पंचायतीराज स्थापना दिवस पर

विस्तार पूर्वक चर्चा के दौरान ग्रामीणों को जागरूक किया गया । ग्राम प्रधान श्रीमती फूलकली ने कहा की गांव की साफ सफाई के अतिरिक्त जलनिकासी वा स्वच्छ शौचालय के निर्माण और आवागमन के लिए सरकार द्वारा जो भी धनराशि आवंटित की जाती है उसमे गांव के सभी सदस्यों के साथ ग्रामीणों का सुझाव और सहयोग बराबर मिलना चाहिए जिससे गांव का समुचित विकास हो सके यदि सभी का निरंतर सहयोग मिलता रहा तो जल्द ही सपना साकार होगा। मौके पर ग्राम पंचायत सदस्य सीताराम पटेल,राम कैलाश मौर्य,पंचायत सहायक रेनू,अनिल कुमार,अमृत लाल मौर्य ,धर्मेंद्र कुमार,राधे श्याम विश्वकर्मा,राज नारायण,मनीष कुमार,जितेंद्र कुमार,विकास कुमार,दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इसी प्रकार पंचायतीराज स्थापना दिवस पर सराय शेषपीर उर्फ सलमापुर,वा मिश्रापुर तथा जोगिया शेषपुर और हेमापुर सहित पूरे विकास खंड में बड़े ही सौहार्द पूर्ण वातावरण में पंचायतीराज स्थापना दिवस मनाया गया।

# सामूहिक नरसंहार से थर्राया गंगापार वासुदेव यादव

(आधुनिक समाचार सेव)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** बीते एक सप्ताह से प्रयागराज का गंगापार हैट्रिक लगा रहा है। क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। थाना नवाबगंज में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या की गुत्थी अभी सुलझी भी नहीं थी तभी थरवई में भी पांच हत्या से गंगापार दहल उठा है। ढोकरी गांव में संदिग्धावस्था में दो मौतें भी इसी कड़ी में हैं। पूर्व एमएलसी वासुदेव यादव, पूर्व मंत्री अंसार पहलवान, अनिल यादव, पूर्व विधायक सत्यवीर मुनन आदि ने जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से वार्ता किया और कहा कि अपराधियों का पता लगाकर कठोर कार्यवाही तथा मृतक आश्रितों को सरकारी नौकरी तथा एक करोड़ मुआवजा दिया जाए।

# संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम की संगोष्ठी हुई सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतापगढ़।** शासन द्वारा 02अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत कृषि विभाग द्वारा किसान कल्याण केन्द्र पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिला कृषि रक्षा अधिकारी डा0 अश्विनी कुमार सिंह ने ग्रामीणों व कृषकों को चूहों एवं छछुन्दर से होने वाले संचारी रोगों के प्रति सचेत किया व उनके नियंत्रण के उपाय भी बताये। उन्होने कहा कि छछुन्दर जैसे जन्तु जापानी इंसफ्लाइटिस सिंड्रोम (ए0ई0 एस0) व स्क्रब टाइफस जैसी अनेक प्रकार जानलेवा बीमारियों के वाहक हो सकते है, ऐसे स्थान जहां घास नमी गंदगी ज्यादा होती है वहाँ इन बीमारियों की सम्भावना अधिक रहती है। संचारी रोग में मलेरिया, कोरोना, चेचक, हैजा, डेंगू बुखार, सुजाक, हेपेटाइटिस-ए, हेपेटाइटिस-बी आते है। चूहों से होने वाले तंजम इंपजम मिअमत के बारे में भी बताया गया, यह बुखार चूहों के काटने या खरोचने से होता है। रोगों से बचने के लिये कृषि विभाग के सदर प्रभारी राम सिंह व स्वास्थ्य विभाग (यूनीसेफ) की सदर प्रभारी उषा देवी शर्मा द्वारा संचारी रोग के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। प्रभारियों के साथ-साथ अन्य कर्मचारी द्वारा गांव गांव जाकर संचारी रोग नियंत्रण व जन जागरूकता अभियान चला जा रहा है।

# वाराणसी में सुबहे बनारस क्लब की ओर से जल संरक्षण अभियान में पानी की बर्बादी रोकने की पहल

**वाराणसी।** प्राकृतिक जल के स्रोत दिन प्रतिदिन नष्ट होते चले जा रहे हैं। इस कारण मनुष्य के सामने जल संकट एक विकराल समस्या के रूप में प्रकट हुई है। नदियों का देश होने के बावजूद भी हमारे देश में कई भागों में आज शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। यह समस्या सरकार के साथ- साथ संपूर्ण मानव जाति के लिए एक चुनौती साबित हो रही है। चारों तरफ पानी को लेकर हाहाकार मचा

हुआ है। लोग घंटों खाली घड़ा और बाल्टी लेकर दो बूंद पानी के लिए लाइन में लगे हुए हैं।इन्हीं समस्याओं और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए अकारण पानी की बर्बादी ना करने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था सुबह-ए- बनारस क्लब के बैनर तले संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल, लक्ष्मी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डा. अशोक कुमार राय, कॉलेज की प्रधानाचार्या डा. मुक्ता पांडे, महासचिव राजन सोनी, उपाध्यक्ष समाजसेवी अनिल केसरी के नेतृत्व में भैरवनाथ स्थित श्री वल्लभ विद्यापीठ बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्राओं के हाथ में बिन पानी सून घड़ा और स्लोगन लिखी तख्तियां, देकर काशी क्षेत्र के विभिन्न गलियों पास-पड़ोस के घरों तथा भगवान भरोसे चल रहे क्षेत्रीय नलकूप के पास पानी के लिए हाथों में घड़ा और बाल्टी लेकर घंटों खड़े नागरिकों के साथ नित्य-प्रतिदिन लाखों जद्योजहद के बाद भी विकराल रूप धरे पानी की कमी से होने वाले गंभीर कष्ट कारक समस्या एवं पानी की महत्ता को दर्शाने हेतु प्रतीकात्मक रूप से एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल, लक्ष्मी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डा. अशोक कुमार राय, कॉलेज की प्रधानाचार्या डा. मुक्ता पांडे, महासचिव राजन सोनी, एवं उपाध्यक्ष समाजसेवी अनिल केसरी ने कहा कि आए दिन देखने को मिलता है कि लोग बेवजह पानी की बर्बादी करते हैं जबकि पानी ही उनके जीवन का आधार है इस मर्म को समझने के साथ जल संरक्षण की ओर एक सकारात्मक पहल करना होगा तथा भावी पीढ़ी के लिए पानी का संचय करना होगा। हर देशवासियों को यह संकल्प लेना होगा, कि वह जल संरक्षण को अपना दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे तथा किसी भी स्थिति में शुद्ध पेयजल को बर्बाद नहीं होने देंगे। एवं अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए लोगों के बीच पानी बर्बाद ना करने की अपील के साथ मुहिम छेड़ेगे। कार्यक्रम में मुकेश जायसवाल, डॉ. अशोक कुमार राय, डा. मुक्ता पांडे, राजन सोनी, अनिल केसरी, कोषाध्यक्ष नंद कुमार टोपी वाले, नीचीबाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप गुप्त, सचिव सुमित सर्राफ, सहित सैकड़ों छात्राएं शामिल थी।

# समय से तैयार करें कार्ययोजनाः डीएम

**देवरिया।** सदर विकास खंड के पैकौली में रविवार को पंचायतीराज दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। बेहतर कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया गया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि ग्राम प्रधान व सचिव समय से कायन्योजना तैयार कर दें, हर गांवों का विकास होगा। हर गांवों में सड़क, नाली, पथ-प्रकाश व्यवस्था बेहतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का दिल गाँव में बसता है तथा देश की समृद्धि उसके गाँव से ही है, पंचायती राज का तात्पर्य स्वशासन से है। कुटी पर

पंचायत भवन का निर्माण होगा। पौध रोपण किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने कहा कि गांव आपका है। साफ-सफाई पर जागरूकता की जरुरत है। गांवों में कूड़ा एक स्थान पर रखा जाए। साफ-सफाई रखने से संक्रामक रोग नहीं होते हैं। गांवों में जल संरक्षण के लिए पोखरे खोदे जा रहे है। जहां पोखरे हैं, उनका सुंदरीकरण कराया जा रहा है। गांव की महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं बताई, जिसका उन्होंने निस्तारण करने का आश्वासन दिया। इसके बाद अधिकारियों ने मंदिर में जाकर पूजा-पाठ भी किया। इस दौरान एसडीएम सौरभ सिंह, बीडीओ कृष्ण कांत राय, चंद्रभूषण मणि, डीपीआरओ अविनाश कुमार, दयाराम, ब्लाक प्रमुख पिटू जायसवाल, राजेंद्र जायसवाल, हरिपाल मौजूद रहे। उधर पूरे जनपद में हर ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम पंचायतों में हुई बैठक लार विकास खंड क्षेत्र में भी पंचायतीराज दिवस पर ग्राम पंचायतों में बैठक आयोजित की गई और समग्र विकास पर चर्चा की गई। डैनी में ग्राम प्रधान पुष्पा देवी, सचिव हरेंद्र मौर्या, पंचायत सहायक रेनू, राजनाथ,आशीर्वाद, अमरनाथ,अरुण,पिटू, राजेंद्र तथा ग्राम पंचायत रतनपुरा में ग्राम प्रधान संतोष साहनी,सचिव विशाल कुमार, महावीर पाल, गोबरी गौर,राजू राजभर,लालचंद साहनी, जवाहर यादव, सावित्री, परमेश्वर ठाकुर ने बैठक कर विकास की रणनीति बनाई। ग्राम पंचायतों में मनाया गया पंचायती राज दिवस रामपुर कारखाना में पंचायती राज दिवस के अवसर पर रामपुर कारखाना कि 62 एवं एवं विकास खंड तरकुलवा की 52 ग्राम पंचायतों में बैठक कर समग्र विकास की रणनीति तैयार की गई। रामपुर कारखाना की ग्राम पंचायत गौरा में ग्राम प्रधान रोहित राय एवं ग्राम पंचायत सचिव ज्ञान सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। ग्राम पंचायत सचिव ज्ञान सिंह ने कहा कि भारत मूल रूप से गांव में बसता है । गांव की प्रगति के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता और पंचायती राज के बिना गांव प्रगति नहीं कर सकते। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी हैं कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को बखूबी धरातल पर उतारें तथा उसका लाभ लेकर ग्राम पंचायतों को मजबूत एवं सशक्त करें।बनकट बहादुरपुर में ग्राम प्रधान मनोहर यादव, परसा बरवा में पूनम मल्ल, कुशहरी में पंचायत सहायक अजीत विश्वकर्मा एवं ग्राम प्रधान निजाम अंसारी तथा विशुनपुर कला में ग्राम प्रधान जितेंद्र पासवान की अध्यक्षता में पंचायती राज दिवस मनाया गया। जबकि ग्राम पंचायत सचिव धर्मावती देवी, राम प्रकाश सिंह, परवेज खान, योगेंद्र कुशवाहा, सुप्रिया भारती, शशि कला, अनुराधा, द्वारा भी अपने ग्राम पंचायतों में बैठक करके लोगों को पंचायती राज दिवस के बारे में जानकारी दी गई।

# जौनपुर में पिता ने अपने दो बच्चों को कुएं में फेंका, बच्चों की मौत के बाद पुलिस हिरासत में पिता

**जौनपुर।** जफराबाद कस्बे के ताइतला मोहल्ले में रविवार दोपहर तकरीबन एक बजे एक पिता ने अपने दो बच्चों को कुएं में फेक दिया, जिससे दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी शाम पांच बजे जब हुई तो घरवालों के पांव से जमीन खिसक गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही पिता को

हिरासत में ले लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात है। माना जा रहा है कि पारिवारिक विवाद की वजह से पिता ने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया है। इरफान अपनी सात वर्षीय बेटी शायमा और पांच वर्षीय बेटे अरमान को साथ लेकर घर के पास कुएं के पास गया। इसके थोड़ी देर बाद दोनों को कुएं में डालकर बाजार चला गया। कुछ देर बाद जब वह घर पहुंचा तो पत्नी शाहीन बानो ने पूछा कि दोनों बच्चे कहां हैं। इस पर इरफान ने बताया कि दोनों बच्चों को कुएं में डाल दिया। पहले तो शाहीन बानो को लगा कि उसका पति मजाक कर रह है, लेकिन जब सच में उसने ऐसा करने की बात कही तो पत्नी के होश उड़ गए। उसके चिल्लाने की बात पर गांव के लोग भी जुट गए। इसके बाद लोग भागते हुए कुएं के पास पहुंचे तो कुएं में काफी पानी होने की वजह से कुछ समझ में नहीं आया। लेकिन पुलिस की मदद से काफी देर बाद शव निकाला जा सका। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पिता द्वारा बच्चों को कुएं में डाले जाने की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से पहले दोनों बच्चों को निकाला गया। लेकिन, तब तक दोनों ही बच्चे दम तोड़ चुके थे। इसके बाद शव का पंचनामा करने के साथ ही विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपित पिता को हिरासत में लेने के साथ ही ही विधिक कार्रवाई के साथ गांव में सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती कर दी है।

# 41388 कापियों का हुआ मूल्यांकन

**गाजीपुर ।** यूपी बोर्ड परीक्षा का मूल्यांकन कार्य दूसरे दिन रविवार से जोर पकड़ने लगा है। रविवार को सभी सातों केंद्रों पर कुल 41388 कापियों का मूल्यांकन कार्य हुआ। अब तक कुल 49136 कापियों का मूल्यांकन किया जा चुका है। दूसरे दिन 951 परीक्षक अनुपस्थित रहे। राजकीय सिटी इंटर कालेज में 7611, अष्ट शहीद इंटर कालेज मुहम्मदाबाद में 2632, राजकीय बालिका इंटर कालेज महुआबाग में 8387, शिवपूजन इंटर कालेज मलसा में 7195, शहीद

स्मारक इंटर कालेज नंदगंज में 7057, बापू इंटर कालेज सादात में 4266 और गहमर इंटर कालेज गहमर में 4240 कापियों का मूल्यांकन हुआ। दूसरे दिन अधिकतर परीक्षक पहुंचे भी थे। मुहम्मदाबाद : जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी राय ने रविवार को अष्ट शहीद इंटर कालेज मूल्यांकन केंद्र पर पहुंचकर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण किया। श्री राय मूल्यांकन केंद्र पर पहुंचने के बाद परीक्षकों के विषयवार कक्षों व सीटिग प्लान की जानकारी ली। वह प्रत्येक कक्ष में पहुंचकर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को देखा। इस मौके पर उत्तर पुस्तिकाओं के संख्या की जानकारी लेने के बाद उन्होंने कोठार प्रभारियों से मूल्यांकन समाप्त कराने की समय सीमा तय कराया। केंद्र के उप नियंत्रक प्रधानाचार्य शिवशंकर गिरि व पर्यवेक्षक शिवानंद यादव को मूल्यांकन कार्य पूरी सुचितापूर्ण व समय सीमा के अंदर कराने का निर्देश दिया। जिविनि ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षा के चलते विज्ञान विषय के परीक्षकों की समस्या है,उसका भी जल्द समाधान हो जाएगा।

# मऊ में मुख्तार अंसारी की दो मामलों मे कोर्ट में हुई वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेशी, अब अगले माह होगी सुनवाई

**मऊ।** सिविल जज सीनियर डिवीजन/ एम पी एम एल ए की विशेष मजिस्ट्रेट श्वेता चौधरी ने सदर विधायक मुख्तार अंसारी की वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से थाना दक्षिण टोला के फर्जी असलहा लाइसेन्स से सम्बन्धित मामले व सरायलखन्सी के विधायक निधि के दुरुपयोग मामले में वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा बांदा

जेल से पेशी हुई। न्यायालय ने सरायलखन्सी के मामले में अगली पेशी चार्ज पर बहस हेतु छह मई व दक्षिणटोला मामले मे नौ मई की तारीख नियत कर दी। सदर विधायक के अधिवक्ता दारोगा सिंह ने बताया कि मुख्तार अंसारी की पेशी वीडियो कान्फ्रेंसिंग से 2.30 बजे करायी गयी। बांदा जेल अधीक्षक ने वीडियो कान्फ्रेसिग से लिंक होने पर सदर विधायक मुख्तार अंसारी को पेश किया। ज्ञातव्य है कि सदर विधायक मुख्तार अंसारी ने अपने लेटर पैड पर करीब आधा दर्जन लोगों को असलहा का लाइसेन्स देने की संस्तुति की थी। सभी के पते जांच में फर्जी पाये गये थे। इस मामले की तहरीर दक्षिण टोला थाना मे दर्ज की गयी थी। इस मामले में सदर विधायक मुख्तार अंसारी सहित सभी आधा दर्जन लोगों को आरोपी बनाया गया था। जिसमे चार्ज शीट आ चुकी है। विधायक के अधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में पुलिस प्रपत्रों की कापी अभी नहीं मिली है। इस मामले में अग्रिम कार्रवाई हेतु नौ मई की तारीख नियत की गयी है। वहीं सरायलखन्सी थाना क्षेत्र के सरवां में स्थित बैजनाथ महाविद्यालय को मानक के विपरीत विधायक निधि से लाखों रूपया दिया गया था। इस मामले में भी सदर विधायक सहित कई लोग आरोपी हैं। इस मामले में पुलिस प्रपत्रों की कापी मिल चुकी है। अधिवक्ता द्वारा चार्ज पर बहस हेतु स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया। न्यायालय द्वारा इस मामले में सुनवाई हेतु छह मई की तारीख सुनवाई हेतु नियत कर दी गयी। दोनों मामलों में आज वर्चुअल पेशी हुई। असलहा मामले में अगली सुनवाई नौ मई को होगी तथा विधायक निधि मामले में चार्ज पर बहस छह मई को होगी।

# वाराणसी में मरने आई वृद्ध महिला के ऊपर से पूरी ट्रेन गुजरी, ट्रेन जाने के बाद खुद को जिंदा देखकर चौंकी

**वाराणसी।** परिवार वालों से आजिज एक बुजुर्ग महिला रविवार को आत्महत्या के इरादे से रेलवे ट्रैक पर आकर लेट गई और पूरी ट्रेन ऊपर से गुजरने के बाद वह महिला भी खुद के जीवित बचने से हैरान नजर आई। शायद इसे ही विधि का विधान कहा गया है। महिला जिस नीयत से आई वह पूरी नहीं हो सकी। वहीं यह पूरा घटनाक्रम देख रहे लोगों ने बाद में बुजुर्ग महिला को उठाकर सुरक्षित देखने के बाद पुलिस को सौंप दिया। 'जाको राखे साईयां मार न सके कोय' यह मुहावरा रविवार को सारनाथ में चरितार्थ होता देखा गया। क्षेत्र के आशापुर रेलवे क्रासिंग के समीप रविवार को पारिवारिक कलह से परेशान ट्रेन से कटने आई 80 वर्षीय वृद्ध महिला के ऊपर से पूरी ट्रेन गुजर गई। ट्रेन जाने के बाद क्षेत्रीय लोग मौके पर पहुंचे तो महिला को सुरक्षित देख उसे पुलिस चौकी पर लाये। खुरज टांडा (कैथी) 80 वर्षीय इंद्रावती देवी पारिवारिक कलह को लेकर रविवार की सुबह पूजा करने जाते वक्त मां को बड़े पुत्र पप्पू ने अपनी पतनी के कहने पर मां का गला दबा कर अपशब्दों का प्रयोग किया था। इस बात पर नाराज होकर ऑटो से आशापुर पहुंच कर रेलवे क्रासिंग के समीप गयी तभी सारनाथ से वाराणसी सिटी की तरफ जाती ट्रेन देख कर वृद्ध महिला

ने आत्महत्या की नीयत से दोनों पटरी के बीच लेट गयी। पूरी ट्रेन गुजर जाने के बाद क्षेत्र के धर्मेंद्र, संतोष,गणेश अन्य लोग दौड़ कर पहुच कर महिला को उठाये तो महिला जिंदा थी। लोगों ने उसे आशापुर चौकी पर बैठाया। महिला ने बताया कि मेरे पति जय नारायण पांडेय की दो दशक पूर्व मौत हो गयी। दो पुत्र एक पुत्र डिम्पू मुंबई में ऑटो चलाता है। पप्पू बनारस में ओला में कार चालक है। एक पुत्री है जिसकी शादी हो चुकी है। वही आशापुर चौकी प्रभारी अखिलेश वर्मा ने बताया कि वृद्ध महिला चौकी पर है। इनके परिजनों को बुलाया गया है, आने पर उन्हें सौंप दिया जाएगा।

# शराब की दो दुकानों पर गंदगी, 15 हजार का जुर्माना

**गाजीपुर।** शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी द्वारा गठित टीम ने शहर के सभी शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लगभग सभी दुकानों पर गंदगी देखने को मिली। बंशी बाजार स्थित माडल शाप में अत्यधिक गंदगी मिलने पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, वहीं सकलेनाबाद स्थित दुकान का रजिस्टर नहीं भरा होने पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से

संबंधितों में खलबली मची रही। शासन का सख्त निर्देश है कि माडल शाप व शराब की दुकानों में साफ-सफाई रखने के साथ ही नियमित स्टाक रजिस्टर को भरा जाए। बावजूद इसके कुछ लोगों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। इसकी शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी एमपी सिंह ने रविवार को टीम गठित किया और सभी निरीक्षण कर कार्रवाई का निर्देश दिया। टीम में सदर एसडीएम प्रतिभा मिश्रा, नायब तहसीलदार आशीष सिंह, सीओ सिटी ओजस्वी चावला, आबकारी निरीक्षक चंद्रजीत सिंह सहित कोतवाली पुलिस रही। टीम एक-एक कर शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण शुरू किया तो, अफरातफरी का माहौल हो गया। टीम अचानक माडल शाप पहुंची, यहां रजिस्टर को चेक करने के साथ दुकान को भी देखा। प्रथम फ्लोर पर गंदगी देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जाहिर की और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। चेताया कि आगे से साफ-सफाई नहीं दिखी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# 'हृदय' से बने हेरिटेज वाक ने तोड़ा सुर-लय-ताल के साधकों का 'दिल', पर्यटन विकास को मुकाम की तलाश

**वाराणसी।** बात उस वक्त की है जब वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव में वाराणसी संसदीय सीट से बड़ी जीत हासिल कर प्रधान सेवक पद को सुशोभित

किया। उन्होंने देश की धरोहरों को सहेजने की इच्छा जाहिर की तो केंद्र सरकार के शहरी विकास एवं आवासन मंत्रालय ने हृदय (हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड आग्यूमेंटेशन यानी विरासत शहर विकास एवं उननति) योजना बनाई गई। इसके तहत वर्ष 2016 में बनारस के कई धरोहरों के विकास व उननति की रूपरेखा खींची गई। इसमें एक हेरिटेज वाक भी था जो बनारस के संगीत घरानों को समर्पित हुआ। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य कबीरचौरा के पद्म गली के विश्व प्रसिद्ध रहनवार कलाकारों के उनन्त जीवन स्तर के साथ ही कई काल खंडों तक अपनी कलाओं से जीवित रहने वाले कलाकारों के साधना स्थलों को जोड़कर पर्यटन के विकास का था। प्रारंभ में 'विकास' दो कदम बढ़े तो जरूर लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम हुआ कि उद्देश्य को मुकाम नहीं मिला। इसने नई पीढ़ियों के लिए कला संरक्षण व रोजगार उननति के नए अवसरों का सपना संजोए ख्याति सुर-लय-ताल के साधकों का दिल तोड़ दिया। दैनिक जागरण की हालचाल टीम रविवार को हेरिटेज वाक पर पहुंची तो नगर निगम व जलकल विभाग की टीम ने साफ-सफाई, चूना छिड़काव के साथ ही सीवर ओवरफ्लो की समस्या का निस्तारण कर दिया था। जागरण टीम के विनोद पांडेय, राजेंद्र श्रीवास्तव और छायाकार नवनीत रतन पाठक की रिपोर्ट - नगर निगम का वार्ड नंबर 28 जिसे निगम के दस्तावेज में चेतगंज वार्ड के नाम से जाना जाता है। इसका एक मोहल्ला कबीरचौरा है जहां पर संत कबीर दास का तपोस्थली मठ है। इस गली को पद्म गली से भी जाना जाता है। यहां पद्मविभूषण, पद्मभूषण, पद्मश्री जैसे राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित एक-दो नहीं, बल्कि 10 से अधिक कलाकार निवास करते रहे हैं। उनके सुर-लय-ताल की साधना से जुड़ी स्मृतियों को संजोया गया है। यहां के विकास को लेकर मुकम्मल योजना बनी थी जिसके तहत गलियों को सुंदर बनाया गया। इंटरलाकिंग का कार्य हुआ। दीवारों को एक रंग में रंगते हुए संगीत के बनारस घराने का अहसास कराया गया। नए सिरे से सीवर व पेयजल पाइप लाइनों का कार्य हुआ लेकिन इसमें इस कदर अनियमितता बरती गई कि कुछ ही वर्षों में हालात पूर्व की भांति हो गए। बस एक ही सच बरकरार है कि नियमित तौर पर नगर निगम की ओर से सफाई कराई जाती है। प्रेशर इतना कम रहता है कि वाटर पंप लगाना होता है।हेरिटेज वाक के बहाने सम्मान देने की कवायद नगर निगम प्रशासन ने की। काम को पूरा कर पर्यटन विभाग को हैंडओवर कर देना था लेकिन कार्य की गुणवत्ता को लेकर जिम्मेदारियों का यह आदान-प्रदान न हो सका। हालात ऐसे है कि हेरिटेज वाक के नाम पर बस दो बार पर्यटकों का यहां आना हुआ।

# शिविर में 300 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

**देवरिया।** पुलिस लाइन के प्रेक्षागृह में बाबा बैजु बासुकीनाथ मेमोरियल ट्रस्ट के संयोजन में रविवार को निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान डाक्टरों की टीम ने 300 पुलिसकर्मियों व उनके स्वजन का स्वास्थ्य परीक्षण कर निश्शुल्क दवाएं दी। शिविर का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक डा. श्रीपति मिश्र ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर समय-समय पर लगते रहने चाहिए इससे छोटी-छोटी शारीरिक परेशानियों का इलाज मिल जाता है और अगर गंभीर बीमारी की शुरूआत हो रही है तो उसके बारे में जानकारी मिल जाती है। मुख्य अतिथि को बाबा बैजु बासुकीनाथ मेमोरियल ट्रस्ट के संरक्षक हृदयानंद श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। अध्यक्ष गजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथिगण अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सोनकर व शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ डा. आरके श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ प्रदान कर

स्वागत किया गया। स्वास्थ्य शिविर में डा. एसके अग्रवाल, डा. डीके श्रीवास्तव, डा. धर्मेन्द्र सिंह, डा. तृप्ति श्रीवास्तव, डा. सनने राय, डा. प्रवण शांडिल्य ने रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान हृदयरोग, सुगर, बीपी, शिशु एवं बाल रोग, महिलाओं की बीमारी आदि से संबंधित रोगों का दवा इलाज किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी कार्यालय के विनय कुमार यादव, प्रतिसार निरीक्षक पंकज कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना अर्चना सिंह, प्रभारी एसओजी अनिल कुमार यादव, विनय कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, विजय कुमार श्रीवास्तव, बृजेश कुमार श्रीवास्तव, अन्टू श्रीवास्तव, नीरज वर्मा आदि उपस्थित रहे। किसान व नौजवान के हित में कार्य कर रही सरकार सलेमपुर में सिचाई विभाग के डाक बंगले पर रविवार को भाजपा कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम और सांसद रविन्द्र कुशवाहा द्वारा कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र से सम्मानित किया। सांसद रविन्दर कुशवाहा ने कहा कि कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनीं। देश व प्रदेश के विकास का नया अध्याय लिख रही है। गांव, गरीब, किसान, नौजवान सभी के हित में कार्य कर रही है। राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की पूंजी हैं, जिस तरह के श्रेष्ठ कार्यकर्ता भाजपा में हैं, वैसे कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक दल में नहीं हैं।वरिष्ठ भाजपा नेता जयनाथ कुशवाहा गुड्डन ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होती है। संचालन कर रहे अशोक पांडेय ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

# खड़ी हाइवा में बोलेरे ने मारी पीछे से टक्कर जेई समेत तीन घायल

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अनिल कुमार अग्रहरी**

**डाला (सोनभद्र)।** स्थानीय चौकी क्षेत्र के बाड़ी मुख्य मार्ग पर शनिवार की रात लगभग दस बजे खड़ी हाईवा में बोलेरो ने पिछे से टक्कर मार दी। टक्कर में बोलेरो सवार चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को चोपन सामुदायिक अस्पताल भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दो की हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेटंर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार बोलेरो मे सवार चालक (45) वर्षीय मुनेश्वर पुत्र फेकुं निवासी सरियांकला पनन्नूंज, (36) वर्षीय पीडब्लुयूडी जेई सुनील कुमार पुत्र सुरेश प्रसाद निवासी हृदयपुर, चंदौली व (43) वर्षीय गुलाब प्रसाद पुत्र लूलु निवासी रॉबर्ट्सगंज, कोन से बोलेरो से रॉबर्ट्सगंज जा रहे थे। इसी दौरान बाड़ी में खड़ी हाईवा में पीछे से बोलेरो की जोरदार टक्कर हो गई। जिससे तीनो बोलेरों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर ने चोपन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने वाहन चला रहे मुनेश्वर व पीडब्लुयूडी जेई सुनील को बेहतर उपचार के लिए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जहां दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। डाला पुलिस दुर्घटना में शामिल दोनों वाहन को कब्जे में लेकर अग्रीम कार्यवाही में जुट गई।



# प्रथम चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य की मनाई गई जयंती

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**विशाल मौर्य**

**रावर्ट्सगंज ।** आज दिनांक 24 अप्रैल 2022 को जन अधिकार पार्टी के तत्वाधान में पार्टी के मण्डल अध्यक्ष डा0 भागीरथी सिंह मौर्य के आवास पर भारत के प्रथम बीर-योद्धा- सम्पूर्ण जम्बूद्वीप में विशाल साम्राज्य के प्रवर्तक-संस्थापक, अखन्ड भारत के निर्माता, लोक कल्याणकारी समाज के ब्यवस्थापक, प्राचीन भारतीय सभ्यता के उननयक राष्ट्र के महानायक भारतीय इतिहास का प्रथम ऐतिहासिक, राजनैतिक, आर्थिक, सैन्य शिल्पी, भौगोलिक सीमा का शिल्पीकार देश की आन-बान-शान, राष्ट्र पितामह दुनियां के प्रथम चक्रवर्तीसम्राटचन्द्रगुप्तमौर्यजी की जयन्ती मनाते हुए याद किया गया एवं दिप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया गया । इस मौके पर जन अधिकार पार्टी के मण्डल अध्यक्ष डा0 भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य वर्तमान समय के हिसाब से अफगानिस्तान, काबुल, कंधार , तक्षशिला और गांधार आदि जगहों तक फैला था बाद में बिहार से लेकर अफगानिस्तान व सम्पूर्ण भारत से लेकर कर्नाटक तक फैला हुआ था । चन्द्रगुप्त मौर्य खंड खंड भारत को अखंड भारत बनाया था । सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य अमीरों से कर लेकर गरीबो असहायों के लिए सुविधाए देने का काम करते रहे चन्द्रगुप्त मौर्य अपने शाशन काल मे जनहित को ध्यान में रखकर शाशन करने का काम किया है । जयंती समारोह में कृष्णा सिंह मौर्य , आर्यन मौर्य , रमेश पटेल , विनोद कुमार , राधेश्याम , विकाश कुमार सहित अन्यलोग भी मौजूद रहे ।



# माँ द्वारा अपनी ही नाबालिक बालिका को शादी करके राजस्थान बेचे जाने के मामले में सूचना पर तत्काल लिया गया संज्ञान-पुनीत टंडन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**चिंता पाण्डेय**

**दुद्धी।** जनपद सोनभद्र के अति पिछड़े क्षेत्र थाना दुद्धी के अंतर्गत एक सूचना के आधार पर महिला सुरक्षा एवं जन सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष सावित्री देवी ने जिला प्रोबेशन विभाग को सूचना दी जिसके बाद जिला प्रोबेशन अधिकारी पुनीत टंडन द्वारा गठित टीम साधना मिश्रा, सीमा द्विवेदी जिला समन्वयक महिला शक्ति केंद्र व शेषमणि दुबे ओ आर डब्रु जिला बाल संरक्षण इकाई को निर्देशित किया की तत्काल थाना दुद्धी से समन्वय स्थापित करते हुये उपरोक्त प्रकरण के संदर्भ में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करे।जिसके क्रम में टीम द्वारा तत्काल थाना दुद्धी पहुच कर नाबालिक बालिका उम्र लगभग 16 वर्ष व उसकी माता से बात-चित की जिसके उपरांत बालिका द्वारा बताया गया की मेरी माता मेरी शादी राजस्थान कर जबरन बेचे जाने के लिये बात चित कर रही है इनकार करने पर माता द्वारा बेटी पर जबरन दबाब बनाकर शादी करने हेतु राजी करने का प्रयास किया जा रहा था।बालिका माता पिता के साथ रहने से टीम के सामने इनकार कर दिया जिसके बाद टीम द्वारा बालिका को संरक्षण/अग्रिम कार्यवाही हेतु बाल कल्याण समिति के समक्ष पस्तुत करने हेतु ले जाया गया।

# पति ने पेंचकस से कोच कोच कर डाली अपनी ही पत्नी की निर्मम हत्या

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**चिंता पाण्डेय**

**सोनभद्र।** कुछ दिनों से घर में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था जिस कारण पति-पत्नी में तनाव का माहौल था झगड़े के कारण पति शराब पीकर नशे में धुत था पति-पतने में विवाद हुआ पति ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी जिसकी उम्र 55 वर्ष थी रात्रि में पेचकस से मार मार के उसकी हत्या कर दी इसकी जानकारी पुत्र ने तुरंत पुलिस को सूचना दी घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण करने के पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है आगे की कार्रवाई कि जारही है यह सारा मामला ग्राम झनकपुर मजरा में रदह का है रग्घू बांदी पुत्र गणपत उम्र लगभग 60 वर्ष है।

# मंत्री जी के आगमन की तैयारियों में जुटा अधिकारी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**चिंता पाण्डेय**

**दुद्धी (सोनभद्र)।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष / जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का आगमन कल सोमवार को अमवार में होने जा रहा है ,जिसको लेकर तैयारियां जोरों जोरो से चल रही है आज सुबह चीफ इंजीनियर हर प्रसाद व अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार व सीमान्त अग्रवाल अपने अभियंताओं के साथ फील्ड हॉस्टल पहुँच कर मंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों को लेकर समीक्षा की और रूप रेखा तैयार किया कयास लगाए जा रहे है कि विस्थापितों की समस्याएं,नेशनल हाइवे,इंडियन रेलवे व वन विभाग की अड़चनों को गम्भीरता से लेते हुए स्वीकृति की प्रक्रिया पर सकारात्मक पहल करेंगे। इस मौके पर अधिशासी अभियंता विनोद कुमार सिंह ,रामआशीष ,वीर बहादुर सिंह ,सत्य प्रकाश चौधरी ,सैयद मोइनुद्दीन समेत सहायक अभियंता गण मौजूद रहे , वहीं कारदायी संस्था के धर्म राजू , संजीव कुमार , सत्यनारायण , वर्मा , उदय भास्कर रेड्डी मौजूद रहे वहीं वीआईपी कार्यक्रम को लेकर चौकी इंचार्ज सरिमन सोनकर ने रूप रेखा तैयार की।

# गुरमुरा में मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का किया आयोजन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अनिल कुमार अग्रहरी**

**डाला (सोनभद्र)।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन अंतर्गत नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुरमुरा में मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रेम नाथ एवं डॉक्टर हरिकांत सिंह प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुरमुरा के द्वारा निर्धारित समय पर फीता काटकर किया गया। इस स्वास्थ्य मेले में कुल 18 लोगों का पंजीकरण हुआ। जिसमें गुरमुरा तथा आसपास के क्षेत्र पटिहवा, जवारी डांड,पटगढ़ी आदि के मरीज आए। आरोग्य मेले में 4 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। इस मेले में पेट दर्द बदन दर्द बुखार आदि के मरीज स्वास्थ्य लाभ लिए। इस स्वास्थ्य मेले में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रेम नाथ , डॉ हरि कांत सिंह प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर निशात बानो आयुष महिला चिकित्सा अधिकारी, डॉ हिमांशु चिकित्सा अधिकारी, रामनिरंजन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी, विश्व कांता कुमार सिंह फार्मासिस्ट, प्रीतेश एवं पशुपतिनाथ उपाध्याय, रामप्रवेश सोनी, सरोज स्टाफ नर्स किरण लता ए एन एम संगीता ,आशा एवं आंगनवाड़ी उपस्थित रहे। प्रत्येक रविवार को आयोजित आरोग्य मेले में आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है।

# सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के सौजन्य से बच्चों में स्कूल बैग का हुआ नि:शुल्क वितरण बच्चों के खिल उठे चेहरे

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अश्विनी कुमार ठाकुर**

**डाला (सोनभद्र)।** भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना सर्व शिक्षा अभियानठ के क्रम में आज दिनांक 23 अप्रैल 2022 को सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के सौजन्य से जनपद सोनभद्र के डाला में बच्चों द्वारा ठस्कूल चलो आभियाना जागरूकता रैली निकाली गई। यह अभियान ग्रामीणों व ड्राप्ट आउट बच्चों को जागरूक करने के लिए निकाला गया। तथा बच्चों द्वारा नारा भी लगाया गया कि- आधी रोटी खाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे, सब पढ़ें- सब बढ़ें। पापा - मम्मी, मेरा नाम लिखा दो, मैं भी पढ़ने जाउँगी। अंत में ट्रस्ट के जिला उपाध्यक्ष सोनभद्र- मनोज कुमार अग्रहरि द्वारा 21 गरीब बच्चों में नि:शुल्क स्कूल बैग का वितरण किया गया । बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। श्री अग्रहरि द्वारा बच्चों को समझाया गया कि लड़का हो या लड़की सभी को शिक्षित होना बहुत जरुरी है, दोनों का समान अधिकार है। कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। नया सत्र शुरू हो चुका है, इस लिए सभी बच्चे कल से स्कूल जाने की तैयारी करो। इस वितरण कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सोनभद्र मनोज कुमार अग्रहरि, ग्रामीण लोग तथा बच्चे सम्मिलित रहे।

# सड़क हादसे में एक की मौत एक घायल

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अनिल कुमार अग्रहरी**

**डाला (सोनभद्र)।** चोपन थाना क्षेत्र के मलोघाट टोलप्लाजा के समीप डिवाइडर कटिंग के पास किसी अज्ञात वाहन व बाइक में जोरदार टक्कर हो जाने से बाइक सवार एक की मौत व एक घायल हो गया वाहन मौके से फरार हो गय प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल बाइक सवार अनिल कुमार केवट पुत्र स्व0 बुध्धु प्रसाद केवट निवासी नवजीवन बिहार सेक्टर 04 विन्ध्यनगर सोनभद्र ने बताया कि हमलोग मिर्जापुर से विन्ध्यनगर जा रहे थे कि डिवाइडर कटिंग के पास एक कार एकाएक घुमा दिया जिसके कारण बाइक अनियंत्रित होकर टक्कर लगते हुए रोड घिसटते हुए गिर गए जिसमें मेरे साथ बैठा श्याम बिंद (छोटू) पुत्र स्व0 मुकुंद लाल निवासी एसडीएम बंगला के पीछे रेनुकूट की मौके पर मौत हो गई।घटना की सूचना टोलप्लाजा इंचार्ज ने चोपन थाने को दिया सूचना मिलते ही डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर व चोपन थानाध्यक्ष के.के सिंह अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुचकर शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया।





# फर्जी डिग्री पर नौकरी कर रही निशा व प्रियंका के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**मीरजापुर ।** फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाली जनपद बुलंदशहर की निशा और दूसरे की डिग्री पर नौकरी कर रही कन्नैज की प्रियंका पर आखिरकार एफआइआर दर्ज हो गया। रविवार को दोनों प्रकरणों में जिला विद्यालय निरीक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया । संयुक्त शिक्षा निदेशक कामताराम पाल के नेतृत्व में कननैज के प्रियंका प्रकरण की समिति ने जांच पूरी कर रिपोर्ट बीते 19 मार्च को शिक्षा निदेशक माध्यमिक विनय कुमार पांडेय को भेज दिया था। जांच में पाया गया कि वर्तमान में लंदन में रहने वाली प्रियंका के अभिलेख पर दूसरी महिला प्रियंका बनकर नौकरी कर रही थी।

# नाली निर्माण को लेकर कई वर्षों से जूझ रहे रहवासी. आधिशासी अधिकारी के नाम से सौंपा ज्ञापन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अनिल कुमार अग्रहरी**

**डाला (सोनभद्र)।** स्थानीय डाला बाजार नगर पंचायत के कार्यालय पर डाला मस्जिद के दर्जनों रहवासी युवाओं ने नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा शनिवार को डाला मस्जिद के दर्जनों रहवासी युवाओं ने नाली निर्माण मांग को लेकर नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी महेंद्र सिंह के नाम ज्ञापन नगर पंचायत कार्यालय पर उपस्थित बाबू रिशु को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए मांग किया है जल्द से जल्द नाली के निर्माण कार्य करवाया जाएं क्योंकि नाली के निर्माण ना होने से वहां बदबूदार गन्दा पानी इकट्ठा हो जाता है जिससे आसपास के रहवासियों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और नाली ना होने से हम सब के मकान के पिछे नाली का पानी इधर उधर बहता है जिससे मकानों के निव में पानी का रिसाव करता है अगर जल्द ही नाली निर्माण नहीं हुआ तो भविष्य में कई मकान धराशाई होने की आसंका बना हुआ है फिरोज अंसारी व दिलकुम अंसारी का कहना था कि पूर्व में भी नाली निर्माण को लेकर हम सब लोग डाला नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस समस्या से अवगत कराया गया था नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर जांच भी किए हुए हैं लेकिन धिरे धिरे लगभग आठ महीने होने को है अभी तक इस समस्या का समाधान नगर पंचायत के द्वारा नहीं करवाया गया। इस दौरान युवाओं ने कहा कि अगर इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द नहीं किया गया तो हम लोगों एक बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी डाला नगर पंचायत की होगी इस दौरान फिरोज अंसारी दिलकुम अंसारी शमशुद्दीन राजकुमार राहत अली गुलाम गौस अली हुसैन अवधेश सिंह गुड्डू मुमताज मु कलाम अताउल्ला समीर अहमद आदि सामिल रहे।

# अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के पार्किंग में खड़ी ट्रक में लगी आग हड़कंप

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अनिल कुमार अग्रहरी**

**डाला (सोनभद्र)।** स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के अल्ट्राटेक पार्किंग में रविवार दोपहर के बाद एक 14 चक्का खड़ी ट्रक में अचानक आग लग गई वही सुरक्षा गार्ड ने शोर मचाकर पुलिस व अल्ट्राटेक दमकल विभाग को सूचना दी जानकारी पर पहुंचे दमकल कमिर्यो ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया अल्ट्राटेक सुपर ट्रक पार्किंग में करीब 2 माह पूर्व से खन्न विभाग द्वारा एक 14 चक्का बालू लदी ट्रक सीज किए गए ट्रक में दोपहर करीब 1:30 बजे के बाद अचानक ट्रक केबिन से आग की लपटें उठने शुरू हो गई यह देख लोगों में अफरा-तफरी मच गई जानकारी होने पर पहुंचे चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर ने वहां मौजूद लोगों को दूर रहने की बात कह कर तत्काल अल्ट्राटेक कंपनी से फायर बिग्रेड वाहन को बुलाकर एक घंटे में बड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू ट्रक का केबिन जलकर राख हो गया।

# सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के बैनर तले घर- घर जाकर ड्राफ्ट आउट बच्चों को जागरूक करती राधिका यादव

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**अश्विनी कुमार ठाकुर**

**डाला (सोनभद्र)।** भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना सर्व शिक्षा अभियान के क्रम में आज दिनांक 22 अप्रैल 2022 को जनपद सोनभद्र के कर्मा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा सुकृत में स्थित सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट की जिला महिला सचिव सोनभद्र व सामाजिक कार्यकर्ती राधिका यादव द्वारा सुकृत ग्राम सभा में घर- घर जाकर ड्राफ्ट आउट बच्चों को जागरूक किया गया तथा बच्चों के माता- पिता को समझाया गया कि आधी रोटी हीं खाइय्ये लेकिन अपने बच्चों को स्कूल जरुर भेजिए। चाहे लड़का हो या लड़की सभी को शिक्षित होना बहुत जरुरी है, दोनों का समान अधिकार है। कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। नया सत्र 2022-23 शुरू हो चुका है, इस लिए उन्होंने अभिभावकों से सरकारी या गैर सरकारी विद्यालयों में अपने -अपने बच्चों का शत- प्रतिशत नामांकन कराने की अपील की। इस अभियान में ग्रामीणों ने श्रीमती राधिका यादव जी का काफी सपोर्ट किया तथा अपने-अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार भी हुए। स्थानीय लोगों ने ट्रस्ट के इस अभियान की काफी सराहना की।

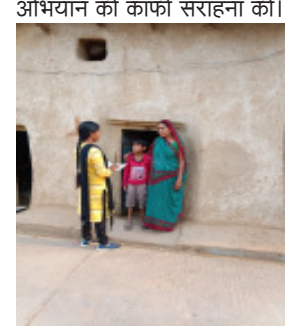

# चेन्नई के सामने इन खिलाडियों पर होगी पंजाब को तीसरी हार से बचाने की जिम्मेदारी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग के 38वें मैच में वानखेडे. के मैदान पर पंजाब और चेनन्ई की टीमें आमने-सामने होंगी। पंजाब

लगातार दो मैच हार चुकी है इसलिए इस मैच में वे हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। पिछले मैच में बल्लेबाजों से सजी टीम केवल 115 रन पर आल आउट हो गई थी। टीम उस गलती में सुधार करना चाहेगी। मध्यक्रम में लिविंग्सटन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़े स्कोर नहीं बना पा रहा है। पंजाब की ओपनिंग जोड़ी- मयंक अग्रवाल और शिखर धवन के रूप में टीम के पास अच्छी ओपनिंग जोड़ी है लेकिन पिछले दो मैचों में ये जोड़ी अच्छी शुरुआत देने में नाकामयाब रही है। पिछले मैच में मयंक के बल्ले से 24 और धवन के बल्ले से केवल 9 रन निकले थे जबकि इस सीजन में वे टीमें ज्यादा सफल रही है जिसकी ओपनिंग जोड़ी रन बना रही है। पंजाब का मध्यक्रम- मध्यक्रम में टीम के पास लिविंग्सटन, जानी बेयरस्टो, शाहरुख खान और जितेश शर्मा जैसे नाम हैं जिस पर टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। हालांकि पिछले मैच में जितेश शर्मा को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया था। इस मैच में खासतौर से बेयरस्टो से टीम को एक बड़ी पारी की उम्मीद होगी। पिछले मैच में ओडियन स्मिथ को आराम दिया गया था इस मैच में वे वापसी कर सकते हैं। पंजाब की गेंदबाजी- डेथ ओवर स्पेशलिस्ट अर्शदीप सिंह के अलावा टीम में कगिसो रबाडा के रूप में बेहतरीन गेंदबाज मौजूद है लेकिन अब तक वे अपनी क्षमता के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाए हैं। स्पिन गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास राहुल चाहर के रूप में विकल्प मौजूद है। मयंक अग्रवाल (कप्तान), शिखर धवन, जानी बेयरस्टो, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शाहरुख खान, ओडियन स्मिथ, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह, वैभव अरोड़ा।

# जीत के बाद केएल राहुल को लगा झटका स्लो ओवर रेट के कारण भारी जुर्माना

**नई दिल्ली।** मुंबई के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में जीत के बावजूद भी लखनऊ के कप्तान केएल राहुल को ज्यादा खुशी मनाने का मौका नही मिला है। दरअसल उन पर स्लो ओवर

रेट के कारण 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस सीजन में केएल राहुल पर दूसरी बार स्लो ओवर रेट के कारण ये जुर्माना लगाया गया है। चूंकी ये टीम के लिए इस तरह का दूसरा अपराध था इसलिए राहुल के अलावा टीम के बाकी सदस्यों पर भी जुर्माना लगाया गया है। टीम के बाकी सदस्यों को 6 लाख रुपये या मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना देना होगा। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल को आने वाले मैचों में ज्यादा सावधान रहने की जरुरत है क्योंकि यदि वो तीसरी बार यही गलती करते हैं तो उन पर 30 लाख जुर्माने या फिर एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है। मैच की बात करें तो टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शानदार शतकीय पारी के दम पर 168 रन का स्कोर खड़ा किया लेकिन मुंबई की टीम इस लक्ष्य को पाने में पूरी तरह से असफल रही और निर्धारित ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर केवल 132 रन ही बना पाई। इस तरह लखनऊ ने ये मुकाबला 36 रनों से जीत लिया। इस सीजन मुंबई की ये लगातार 8वीं हार है और अब वो प्लेआफ की दौड़ से बाहर निकल गई है। इसके साथ ही मुंबई पहली ऐसी टीम है जो शुरुआत के 8 मैच हारी हो। क्या कहता है नियम- स्लो ओवर रेट के को लेकर आधिकारिक नियम कहता है कि यदि गेंदबाजी करने वाली टीम के कप्तान द्वारा तीसरी बार स्लो ओवर रेट मेंटेन किया जाता है तो उन पर 30 लाख जुर्माने के साथ अगले मैच को खेलने पर प्रतिबंध लग सकता है।

# 5 मौके जब टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों का रहा दबदबा

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग के 36वें मैच में आरसीबी की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के सामने पूरी तरह से हथियार डाल दिए। ब्रेबोन की पिच पर जहां इस सीजन में सबसे ज्यादा बार 200 से अधिक का स्कोर बना है उस पिच पर आरसीबी ने सबसे कम स्कोर बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया। स्टार बल्लेबाजों से सजी टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और हैदराबाद के सामने केवल 68 रनों पर सिमट गई। आइपीएल इतिहास

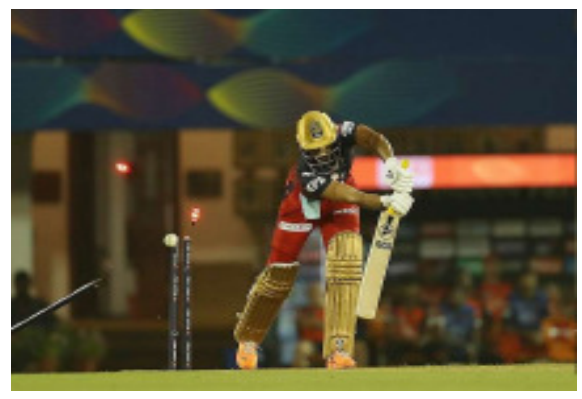

में ये छठा सबसे कम स्कोर है। आरसीबी की तरफ से सर्वाधिक रन सुयश प्रभुदेसाई के बल्ले से निकला, उन्होंने 15 रनों की पारी खेली। 69 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने केवल 1 विकेट खोकर 8 ओवर में मैच जीतकर न केवल 2 अंक बटोरे बल्कि अपने नेट रन रेट को भी बेहतर कर लिया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि आरसीबी आइपीएल में कम स्कोर पर आउट हुई हो। आइपीएल इतिहास में जब भी लो स्कोर की बात आती है तो इस टीम का नाम पहले नंबर पर आता है। 2017 में कोलकाता के खिलाफ मैच में स्टार बल्लेबाजों से सजी आरसीबी की टीम केवल 49 रनों पर ढेर हो गई थी। उस मैच को कोलकाता ने 82 रनों से अपने नाम किया था। आरसीबी की तरफ से सर्वाधिक रन उस मैच में 9 रन रहा था जो केदार जाधव के बल्ले से निकला था।दूसरे नंबर पर राजस्थान रायल्स की टीम है जो आरसीबी के सामने 2009 में 58 रनों पर सिमट गई थी। उस मैच में आरसीबी ने 75 रनों से जीत दर्ज की थी। इस मैच में अनिल कुंबले ने 5 विकेट लिए थे।इस सूची में तीसरे और चौथे नंबर पर दिल्ली की टीम है जो उस वक्त दिल्ली डेयरडेविल्स हुआ करती थी। टीम 2017 के सीजन में पहले पंजाब के खिलाफ 66 और फिर मुंबई के खिलाफ 67 रनों पर ढेर हो गई थी। 5वीं सबसे कम स्कोर पर आउट होने वाली टीम कोलकाता नाइट राइडर्स है जो वानखेड़े के मैदान पर मुंबई के सामने 67 रनों पर आल आउट हो गई थी। ऐसा आइपीएल के पहले सीजन यानी 2008 में हुआ था।

# 2022 में प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस, लगातार 8 मैचों में मिली हार

**नई दिल्ली।** रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस को आइपीएल 2022 के 37वें मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के हाथों

36 रन से हार मिली। ये इस सीजन में मुंबई की लगातार 8वीं हार थी और अब ये टीम आधिकारिक तौर पर प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। लखनऊ के खिलाफ हुए इस मैच में मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने कप्तान केएल राहुल की नाबाद 103 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 168 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन ही बना पाई और उसे पराजय का सामना करना पड़ा। लखनऊ से मिली इस हार के बाद मुंबई की टीम अब प्लेआफ की दौड़ से पूरी तरह से बाहर हो चुकी है। इस सीजन में मुंबई की टीम ने अपने अभियान की शुरुआत दिल्ली के खिलाफ की थी और इस मैच में उसे 4 विकेट से हार मिली थी। मुंबई ने इस सीजन का दूसरा मैच राजस्थान के खिलाफ खेला था जिसमें उसे 23 रन से पराजय मिली थी। तीसरे मैच में रोहित की टीम को केकेआर ने 5 विकेट से हरा दिया था तो वहीं चौथे मुकाबले में आरसीबी ने 7 विकेट से पीट दिया था। पांचवें मैच में पंजाब किंग्स ने मुंबई को 12 रन से हराया था तो वहीं छठे मैच में लखनऊ के हाथों इस टीम को 18 रन से हार मिली थी। सातवें मैच में मुंबई को सीएसके ने 3 विकेट से हराया था तो वहीं आठवें मुकाबले में एमआई को लखनऊ ने फिर से 36 रन से हरा दिया था। लखनऊ से मिली हार के बाद रोहित शर्मा ने कहा कि बल्लेबाजी के लिए ये पिच अच्छी थी, लेकिन हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। जब आपके पास इस तरह का टारगेट होता है तो साझेदारी अहम हो जाता है। मेरे सहित खेल के बीच में हमने कुछ गैरजिम्मेदाराना शाट्स खेले। हम गति प्राप्त नहीं कर सके और लखनऊ ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। हमने इस टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की है और जो भी मध्यक्रम में खेलता है उसे जिम्मेदारी लेने और लंबी पारी खेलने की जरूरत होती है। टीम के एक खिलाड़ी को ये सुनिश्चित करने की जरूरत है कि वो जितना हो सके लंबे वक्त तक बल्लेबाजी कर सके। ये सीजन वैसा नहीं रहा जैसा की हम चाहते थे, लेकिन ऐसी चीजें होती रहती हैं।

# केएल राहुल ने गेल, वार्नर व कोहली का रिकार्ड तोड़ा

**नई दिल्ली।** केएल राहुल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आइपीएल के 37वें लीग मैच में 62 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली और टीम के स्कोर को 168 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। अपनी इस पारी के दम पर केएल राहुल ने कई रिकार्ड्स भी अपने नाम किए। आइपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में केएल राहुल ने गेल, वार्नर व कोहली का रिकार्ड तोड़ दिया। इन तीनों खिलाडियों ने एक ही टीम के खिलाफ अब तक दो-दो

शतक लगाए थे, लेकिन केएल राहुल ने सिर्फ मुंबई के खिलाफ आइपीएल में अब तक तीन शतक लगाकर इन्हें पीछे छोड़ दिया। अब आइपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में केएल राहुल पहले नंबर पर आ गए हैं। राहुल ने इस सीजन में ही मुंबई के खिलाफ दो शतक लगाए हैं। आइपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बलेबाज3 - केएल राहुल 2 - क्रिस गेल 2 - डेविड वार्नर 2 - विराट कोहली केएल राहुल ने एक ही सीजन में दो शतक लगाने के मामले में शिखर धवन, क्रिस गेल, शेन वाटसन व हाशिम अमला की बराबरी कर ली। एक ही सीजन में इस लीग में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं। आइपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले टाप 7 बल्लेबाज 4 - विराट कोहली (2016) 3 - जोस बटलर (2022) 2 - केएल राहुल (2022) 2 - शिखर धवन (2020) 2 - क्रिस गेल (2011) 2 - शेन वाटसन (2018) 2 - हाशिम अमला (2017)आइपीएल में बतौर भारतीय बल्लेबाज सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने अब तक कुल 5 शतक लगाए हैं। वहीं केएल राहुल अब दूसरे नंबर पर चार शतक के साथ आ गए हैं। आइपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले टाप दो भारतीय बल्लेबाज 5 - विराट कोहली 4 - केएल राहुल

# मुंबई को मिली लगातार 8वीं हार, केएल राहुल से सामने रोहित शर्मा हुए फ्लाप

**नई दिल्ली।** मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर आइपीएल 2022 के 37वें मैच में मुंबई इंडियंस का सामना लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ हुा। मुंबई के कप्तान रोहित

शर्मा ने इस मैच में टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल की शतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए और मुंबई को जीत के लिए 169 रन का लक्ष्य दिया इस लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन बनाए और उसे 36 रन से हार मिली। वहीं लखनऊ की ये इस लीग में पांचवीं जीत थी और ये टीम 10 अंक के साथ अब चौथे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं मुंबई की टीम के एक भी अंक नहीं है और ये टीम दसवें स्थान पर है। इस हार के साथ मुंबई की टीम इस सीजन में प्लेआफ की दौड़ से भी बाहर हो गई। केएल राहुल को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मुंबई को पहला झटका ईशान किशन के तौर पर लगा और वो रवि बिशनेई की गेंद पर 8 रन बनाकर कैच आउट हो गए। ब्रेविस को 3 रन के स्कोर पर मोहसिन खान ने आउट कर दिया तो वहीं कप्तान रोहित शर्मा को 39 रन के स्कोर पर क्रुणाल पांड्या ने कैच आउट करवा दिया। सूर्यकुमार यादव ने 7 रन पर आयुष बदोनी की गेंद पर अपना विकेट गंवा दिया। तिलक वर्मा को 38 रन पर जेसन होल्डन ने आउट कर दिया। पोलार्ड को क्रुणाल पांड्या ने 19 रन पर कैच आउट करवा दिया। जयदेव उनादकट एक रन बनाकर रन आउट हो गए तो वहीं डेनियल सैम्स 3 रन पर क्रुणाल पांड्या का शिकार बने। लखनऊ की तरफ से क्रुणाल पांड्या ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। लखनऊ का पहला विकेट क्विंटन डिकाक के तौर पर गिरा और वो 10 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हो गए। डिकाक का कैच मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने लपका। मनीष पांडे ने 22 गेंद पर 22 रन की पारी खेली और उन्हें पोलार्ड ने कैच आउट करवा दिया। लखनऊ का तीसरा विकेट स्टोइनिस के तौर पर गिरा और वो सैम्स की गेंद पर आउट हुए साथ ही वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए। हार्दिक पांड्या ने एक रन बनाए और उन्हें पोलार्ड ने कैच आउट करवा दिया। दीपक हुडा ने 10 रन बनाए और उन्हें मेरेदिथ ने आउट किया। केएल राहुल ने इस मैच में 61 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। आयुष बदोनी को मेरेदिथ ने 14 रन पर आउट कर दिया। केएल राहुल ने नाबाद 103 रन की पारी खेली। मुंबई की तरफ से पोलार्ड व मेरेदिथ को दो-दो जबकि बुमराह व सैम्स को एक-एक सफलता मिली। मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, कीरोन पोलार्ड, रितिक शौकीन, डेनियल सैम्स, जयदेव उनादकट, रिले मेरेडिथ, जसप्रीत बुमराह। लखनऊ सुपर जाइंट्स की प्लेइंग इलेवन क्विंटन डी काक (विकेटकीपर), केएल राहुल (कप्तान), मनीष पांडे, क्रुणाल पांड्या, दीपक हुडा, आयुष बदोनी, मार्कस स्टोइनिस, जेसन होल्डर, दुष्मंथा चमीरा, रवि बिशनेई, मोहसिन खान।

# पंजाब के खिलाफ प्रदर्शन में सुधार करना चाहेगी चेन्नई सुपर किंग्स

**मुंबई।** एक बार फिर महेंद्र सिंह धौनी के करिश्मे पर उम्मीदें लगाए चेनन्ई सुपरकिंग्स (सीएसके) आइपीएल के मैच में जब सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी तो उसे कई मोर्चो पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। चेनन्ई ने अभी तक सात में से दो ही मैच जीते हैं, जबकि पंजाब किंग्स ने सात में से तीन मैचों में जीत दर्ज की है। पंजाब आइपीएल अंक तालिका में आठवें स्थान पर है, और चेनन्ई नौवें स्थान पर है। गत चैंपियन चेनन्ई इस सत्र में किसी

भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वह उस तरह का क्रिकेट नहीं खेल पाई, जिसके लिए उसे जाना जाता है और कप्तान रवींद्र जडेजा मोर्चे से अगुआई करने में नाकाम रहे हैं। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस पर तीन विकेट से मिली शानदार जीत और उसमें धौनी के धमाल ने चेनन्ई के लिए टानिक का काम किया होगा।धौनी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ फिनिशर क्यों कहा जाता है। आखिरी ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर उन्होंने टीम को चमत्कारिक जीत दिलाई। चेनन्ई की कमजोर कड़ी उसकी गेंदबाजी रही है, लेकिन मुंबई के खिलाफ उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने तीन विकेट चटकाए। वहीं पुराने सिपाही ड्वेन ब्रावो ने भी अपनी उपयोगिता साबित की। कप्तान जडेजा बल्ले या गेंद किसी से भी प्रभावित नहीं कर सके हैं। टीम को दीपक चाहर और एडम मिल्ने की कमी खल रही है, हालांकि श्रीलंका के स्पिनर महेश तीक्षणा ने अच्छी गेंदबाजी की है। युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ गुजरात टाइटंस के खिलाफ 73 रन को छोड़कर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके है। आलराउंडर मोइन अली और शिवम दुबे को भी अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा क्योंकि एक और हार उन्हें आगे की दौड़ से बाहर कर सकती है। दूसरी तरफ पंजाब को दिल्ली कैपिटल्स ने नौ विकेट से हराया। पंजाब के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। शिखर धवन, लियाम लिविंगस्टान और शाह रुख खान लगातार अच्छी पारियां नहीं खेल पाए हैं, जबकि जानी बेयरस्टो को चार मौके मिले और वह चारों में नाकाम रहे। गेंदबाजी में पंजाब के पास कैंगिसो रबादा हैं, जबकि अर्शदीप सिंह भी फार्म में हैं। वैभव अरोड़ा को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज आलराउंडर ओडियन स्मिथ की भूमिका अहम है, लेकिन वह चिर परिचित अंदाज में खेल नहीं पा रहे हैं। सीएसके : महेंद्र सिंह धौनी, रवींद्र जडेजा (कप्तान), मोइन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, दीपक चाहर, अंबाती रायडू, रोबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जोर्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कोन्वे, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्षणा, राजवर्धन हेंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीशन, सुभ्रांशु सेनापति, के भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी। पंजाब किंग्स : मयंक अग्रवाल (कप्तान), शिखर धवन, अर्शदीप सिंह, कैंगिसो रबादा, जानी बेयरस्टो, राहुल चाहर, हरप्रीत बरार, एम शाह रुख खान, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, इशान पोरेल, लियाम लिविंगस्टोन, ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, राज अंगद बावा, रिषी धवन, प्रेरक मांकड़, वैभव अरोड़ा, ऋतिक चटर्जी, बलतेज ढांडा, अंश पटेल, नाथन एलिस, अथर्व ताइडे, भानुका राजपक्षे और बेनी हावेल।

## सचिन तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट में शोएब अख्तर व डेल स्टेन से ज्यादा की थी गेंदबाजी

**नई दिल्ली।** मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अपने खेल के जरिए भारतीय क्रिकेट का डंका पूरे विश्व में बजाया और उन्हें दुनिया के महान क्रिकेटर्स में से एक माना जाता है। सचिन तेंदुलकर एक बेहतरीन बल्लेबाज थे और बतौर

बल्लेबाज उनके नाम कई ऐसे रिकार्ड्स दर्ज हैजिन्हें तोड़ पाना किसी भी क्रिकेटर का सपना हो सकता है। सचिन का जिक्र होते ही एक महान बल्लेबाजी की छवि सामने आती है जिसे क्रिकेट में भगवान का दर्जा प्राप्त है, लेकिन वो एक शानदार बल्लेबाज के साथ-साथ कमाल के गेंदबाज भी थे। सचिन तेंदुलकर ने अपनी गेंदबाजी के जरिए कई बार ना सिर्फ भारतीय टीम को मुसीबत से निकालने का काम किया बल्कि टीम की जीत में भी बड़ी भूमिका निभाई।

# राशिफल

**मेष-:** आज का आसान काम मिलकर आपको आराम के लिए काफी समय देगा. आज आप आसानी से पैसा जमा कर सकते हैं।

**वृष-:** आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। नए रिश्ते की शुरुआत होने की संभावना है। इसके साथ ही हम अपने करीबी रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे।

**मिथुन-:** आपको आत्मविश्वास बनाए रखना होगा तभी आप किसी काम में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे. आज किसी के साथ पैसों का लेन-देन न करें और न ही किसी को उधार दें।

**कर्क-:** आपके ख़र्चे बढ़ेंगे, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकता है. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें।

**सिंह-:** आज आपका मन लेखन कार्य में रहेगा। इस राशि के छात्र जो विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों से उनकी पढ़ाई को लेकर बात करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

**कन्या-:** सामाजिक और धार्मिक समारोहों के लिए यह बहुत अच्छा दिन है। व्यापार या नौकरी में लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। दाम्पत्य सुख की अनुभूति होगी। यह पूरी तरह से लाभदायक दिन है।

**तुला-:** दूसरों की प्रशंसा करके आप उनकी सफलता का आनंद उठा सकते हैं. अनुमान अशुभ साबित हो सकते हैं, इसलिए सभी प्रकार के निवेश करते समय बहुत सावधान रहें।

**वृश्चिक-:** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज अधिक गुस्सा करने से आपका काम बिगड़ सकता है। बेहतर होगा कि आज किसी बात पर गुस्सा करने से बचें।

**धनु-:** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आज आपकी रचनात्मकता आपको अन्य सहयोगियों से आगे ले जाएगी। खर्चे ज्यादा रहेंगे। इन पर नियंत्रण जरूरी है।

**मकर-:** बेवजह का तनाव और चिंताएं जीवन का रस निचोड़कर आपको पूरी तरह से चूस सकती हैं. इन आदतों को छोड़ देना ही अच्छा है, नहीं तो ये आपकी परेशानी ही बढ़ा देंगी।

**कुंभ-:** आज आपका दिन राहत देने वाला है. कई वर्षों से चल रहे जमीन के विवाद में विजय प्राप्त होगी। इस राशि के जातकों के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में विवाह की सहमति बनेगी।

**मीन-:** नौकरी में आपको कर्मचारी से अच्छा सहयोग मिल सकता है। शादीशुदा लोगों के दांपत्य जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। आज आप अपने काम को बढ़ाने में सफल रहेंगे।

# सम्पादकीय

## शिक्षकों की कमी से जूझ रही शिक्षा व्यवस्था देश के विकास में बन रही बाधा

विश्व में कोरोना के पश्चात शिक्षा के रूप-स्वरूप के त्वरित बड़े बदलाव की चर्चा जोर पकड़ चुकी है। शिक्षा की गतिशीलता उसका आवश्यक अंग है, लेकिन कोरोना के विस्तार ने शिक्षा में 'क्या पढ़ाया जाए और कैसे पढ़ाया जाए' के संपूर्ण क्षितिज को अप्रत्याशित ढंग से बदल दिया है। पूरी दुनिया ने कठिन स्थिति को लगभग दो वर्ष झेला है और अभी भी अनिश्चय की स्थिति बनी हुई है। इस दौरान सबसे अधिक हानि बच्चों और युवाओं को हुई है। उनके व्यक्तित्व विकास और सीखने के अधिगम में जो कमियां आई हैं, उसकी भरपाई करने के प्रयास अब और अधिक ऊर्जा के साथ हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के प्रयास इन सारी स्थितियों को पूरी तरह समझकर किए जा रहे हैं। अतः हर वर्ग की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। अगले दो वर्षों में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में भारत कितना सफल होगा। इस समय देश में 1.508 करोड़ स्कूल हैं। इनमें लगभग 97 लाख अध्यापक हैं। 26.5 करोड़ बच्चे स्कूलों में हैं, जिनमें 1.87 करोड़ यानी 62 प्रतिशत प्रारंभिक स्कूलों में हैं। मोटे तौर पर अनुमान यह है कि करीब दस लाख से अधिक स्कूल अध्यापकों के पद रिक्त हैं। स्कूली शिक्षा में एक बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2006 के बाद के 15 वर्षों में सरकारी स्कूलों में 15 प्रतिशत नामांकन कम हुआ है, जिसे आबादी की वृद्धि के अनुपात में बढ?ा चाहिए था। भारत के समेकित और समग्र विकास का रास्ता गांवों के सरकारी स्कूलों के दरवाजे से ही निकलेगा। लिहाजा इन स्कूलों की साख और स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करने होंगे। पिछले कुछ दशकों से शिक्षा में कुछ ऐसी स्थितियां उभरी हैं, जिनके समाधान अनेक प्रयासों तथा आश्वासनों के पश्चात भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। प्रशिक्षित तथा नियमित अध्यापकों की नियुक्ति इसमें संभवतः सबसे जटिल समस्या के रूप में सामने आ रही है। दिल्ली के शिक्षा सुधारों की चर्चा पिछले कई वर्षों से हमारे सामने आती रही है। वहां के 1,027 सरकारी स्कूलों में सिर्फ 203 में नियमित प्रधानाचार्य नियुक्त हैं। अन्य में अस्थायी प्रधानाचार्य के द्वारा ही स्कूल संचालित हो रहे हैं। यह दिल्ली सरकार की स्थिति है, जहां कितने ही लोग फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था का अवलोकन और अध्ययन करने जा चुके हैं। वैसे नियुक्तियां चाहे अध्यापकों की हों, प्रधानाचार्यों या प्राचार्यों की, स्थिति कमोबेश अधिकांश राज्यों में ऐसी ही है। कोई भी शिक्षा व्यवस्था इस तथ्य को अस्वीकार नहीं कर सकेगी कि स्कूल कितना ही छोटा या बड़ा क्यों न हो, प्रथम स्थान पर नियुक्त होने वाला व्यक्ति नियमित, प्रशिक्षित और प्रतिबद्ध होना ही चाहिए। शैक्षिक नेतृत्व को विकसित करने का उत्तरदायित्व केंद्र और राज्य सरकारों को प्राथमिकता के साथ स्वीकार करना चाहिए। अध्यापकों को लेकर जो चुनौती स्कूलों के समक्ष है, उतनी ही या उससे भी अधिक जटिल चुनौती उच्च शिक्षा संस्थानों के समक्ष भी है। दिल्ली के प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डाक्टरों के एक तिहाई पद रिक्त हैं। जो नए एम्स देश में खुले हैं, उनकी स्थिति का अंदाजा इसी लगा सकते हैं। यही हाल केंद्रीय विश्वविद्यालयों का भी है। राज्य सरकारों के उच्च शिक्षा संस्थान इससे भी बड़ी मुश्किल में परिचालन कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय केवल शिक्षा ही दे रहा हो या शिक्षा और शोध, दोनों पर कार्य कर रहा हो, उससे गुणवत्ता की अपेक्षा व्यर्थ ही होगी। यदि छात्र-अध्यापक अनुपात स्वीकार्य स्तर पर आ जाए तो शोध की गुणवत्ता और नवाचार स्वतः ही बढ़ जाएंगे। साफ है भारत को पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए इसकी बौद्धिक संपदा को बढ़ाना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अध्यापकों के संबंध में अत्यंत आशाजनक टिप्पणी की है कि 'शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे बुनियादी बदलावों के केंद्र में अवश्य ही शिक्षक होने चाहिए। शिक्षा की नीति को शिक्षकों को समाज के सर्वाधिक सम्माननीय और अनिवार्य सदस्य के रूप में पुनः स्थान देने में सहायता करनी होगी, क्योंकि शिक्षक ही नागरिकों की हमारी अगली पीढ़ी को सही मायने में आकार देते हैं।' ऐसा कहा तो अनेक बार गया है, लेकिन अब इसे ईमानदारी से व्यावहारिकता में परिवर्तित करना ही होगा। किसी भी पीढ़ी को सजग, सतर्क, जिज्ञासु और क्रियाशील बनाने के लिए सबसे अधिक उपयुक्त समय प्रारंभिक आयु के वे संवेदनशील वर्ष होते हैं, जिनमें कक्षा दस तक की शिक्षा प्राप्त की जाती है।

# अमेरिका में मानवाधिकार उल्लंघन पर विदेश मंत्री जयशंकर का उसे आईना दिखाना एक साहसिक वैचारिक चुनौती

पिछले दिनों अमेरिकी दौरे पर गए विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक बयान बहुत चर्चित रहा। उन्होंने कहा कि 'हम भी दूसरे देशों में मानवाधिकारों की स्थिति पर राय रखते हैं और इनमें अमेरिका भी शामिल है।' उनके इस बयान ने मानवाधिकारों के मसले पर अमेरिका को आईना दिखाने का काम किया। वास्तविकता यही है कि अभी तक पश्चिमी देश ही भारत समेत तमाम देशों को मानवाधिकारों पर उपदेश देते आए हैं। जबकि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में जारी मानवाधिकारों के उल्लंघन पर बोलने की किसी में हिम्मत नहीं होती थी। दरअसल अमेरिका अपनी ताकत के दम पर खुद ही दुनिया में मानवाधिकारों का ठेकेदार बन बैठा। मानवाधिकारों को लेकर अमेरिकी संस्थाओं द्वारा तय विमर्श ही अंतिम सत्य माना जाता रहा। पश्चिम के दबदबे वाला अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी इसी विमर्श को आगे बढ़ाता रहा। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर भी पश्चिमी देशों का ही वर्चस्व है तो अमेरिका जैसे देशों ने गरीब या विकासशील देशों की सरकारों पर दबाव बनाने के लिए वित्तीय सहायता को इन देशों में मानवाधिकारों की स्थिति से जोड़ दिया। किसी गरीब या विकासशील देश में उन्हें रास न आने वाली सरकार बनती तो वे उस पर मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाकर उसे बैकफुट पर धकेलने लगते हैं। पश्चिम प्रायोजित इस विमर्श को चुनौती देने का साहस किसी में नहीं था। कारण यही कि पश्चिमी मानवाधिकार संस्थाएं और अंतरराष्ट्रीय मीडिया उसके बचाव के लिए सदैव तत्पर था। ऐसी स्थिति में जयशंकर का बयान न केवल क्रांतिकारी, बल्कि स्वागतयोग्य भी है। मानवाधिकार संगठनों पर वामपंथी -उदारवादियों का सदा से नियंत्रण रहा है और वामपंथी

राजनीति वर्ग संघर्ष पर आधारित रही है। ये संस्थाएं वामपंथी उदारवादी विमर्श को आगे बढ़ाने के लिए मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों का वर्ग संघर्ष को जन्म देने और उसकी तीव्रता बढ़ाने के लिए उपयोग करने लगीं। मानवाधिकार वर्गाधिकार बना दिए गए और वर्ग वोट बैंक। चूंकि बढ़ा हुआ वर्ग संघर्ष अक्सर अलगाववाद को जन्म देता है तो तमाम विभाजनकारी शक्तियों को इस उपक्रम में अपनी दाल गलती दिखी। परिणामस्वरूप संप्रदायों के धार्मिक अधिकारों को व्यक्ति के मानवाधिकारों से जोड़ दिया गया। इसने समस्या को और विकट बना दिया, क्योंकि जिन संप्रदायों में दूसरों का मतांतरण करना कर्तव्य बताया गया है तो उन संप्रदायों के मानने वाले का दूसरों का मतांतरण करना उसके निजी मानवाधिकार में गिना जाने लगा। अगर कोई उसे ऐसा करने से रोके तो मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर ये संस्थाएं हंगामा करने लगतीं। नतीजा यह हुआ कि मतांतरण का धंधा चलाकर पश्चिम का प्रभाव एशियाई और अफ्रीकी देशों में बढ़ाने में लगीं तमाम संस्थाएं भी मानवाधिकार के रथ पर सवार हो गईं। मतांतरण की धार्मिक स्वतंत्रता मानवाधिकार और इस पर कोई भी रोक-टोक मानवाधिकार हनन बन गया। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन आन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम यानी यूएससीआइआरएफ जैसी वे संस्थाएं, जो अमेरिकी सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करती हैं, विभिनन देशों को धार्मिक स्वतंत्रता एवं मानवाधिकारों का सर्टिफिकेट प्रदान करने वाली मठाधीश बन बैठीं। इन संस्थाओं की रिपोर्ट कभी निष्पक्ष एवं न्यायसंगत नहीं रहीं। पश्चिम के निहित स्वाथों के अनुरूप विमर्श गढ़ना ही उनका उद्देश्य रहा है। यही कारण है कि जहां चर्च में छोटी-मोटी चोरी को भी उन्होंने भयंकर मानवाधिकार उल्लंघन और धार्मिक स्वतंत्रता का हनन बताया, वहीं कश्मीरी हिंदुओं और रियांग हिंदुओं के निर्मम नरसंहारों पर चुप्पी साधे रखी। अमेरिकी सरकार ने यूएससीआइआरएफ जैसी संस्थाओं को दुनिया भर में धार्मिक स्वतंत्रता पर नजर रखने और नीतिगत सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट सौंपने का काम सौंप रखा है, लेकिन खुद अमेरिका के भीतर मानवाधिकारों एवं धार्मिक स्वतंत्रता पर कोई बात नहीं होती। यह चिराग तले अंधेरे वाली स्थिति है। भला यह कैसे विस्मृत किया जा सकता है कि आचार्य रजनीश के बढ़ते प्रभाव के कारण चर्च के दबाव में उन्हें अमेरिका और अन्य ईसाई बहुल देशों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। बतौर अमेरिकी राष्ट्रपति भारत दौरे पर आए बराक ओबामा ने प्रधानमंत्री मोदी के बगल में बैठकर चर्च की खिड़की का कांच टूटने जैसी घटनाओं को लेकर मानवाधिकारों और धार्मिक सहिष्णुता का राग छेड़ा था। वहीं अमेरिका के केंटुकी स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों पर कालिख पोतकर मंदिर की दीवारों पर 'जीसस इज द ओनली ट्रू लार्ड' लिखे जाने जैसी घटनाओं की आपने कभी चर्चा नहीं सुनी होगी। 2001-19 के बीच अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर इस प्रकार के 19 हमले हुए। इतना ही नहीं, अमेरिका में चर्च ने योग को लेकर घृणा फैलाने का खुला अभियान छेड़ रखा है। सिएटल के बिशप तो सार्वजनिक रूप से योग को 'शैतान की पूजा' बता चुके हैं। अमेरिका में अश्वेतों के साथ भेदभाव और 'ब्लैक लाइव्ज मैटर' जैसे आंदोलनों के बारे में आपने सुना होगा, परंतु उनसे भी ज्यादा बुरी स्थिति वहां के रेड इंडियन आदिवासियों के मानवाधिकारों की है, जो अमेरिकी संघीय गणराज्य के रूप में अस्तित्व में आने से लेकर आज तक नहीं सुलझी। अमेरिका के राष्ट्र निर्माताओं ने भारी नरसंहार के बाद वहां के आदिवासी राज्यों को अमेरिकी परिसंघ में शामिल करते समय तमाम लिखित संधियां की थीं, जो बाद में तोड़ दी गईं। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने इस कदम को सही भी ठहरा दिया। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र तक जा चुका है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विमर्श पर अमेरिकी दबदबे के चलते अधिकांश लोग इन मुद्दों से अनभिज्ञ हैं। ऐसे में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के विदेश मंत्री का इन मुद्दों की ओर संकेत करना स्थापित पाश्चात्य विमर्श को साहसिक वैचारिक चुनौती है, जिसे तथ्यों का साथ मिलने वाला है।

# रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से कैसे भारत में महंगाई पर पड़ रहा है असर

आग के बम भले ही केवल यूक्रेन पर गिर रहे हैं, परंतु महंगाई के बम सारी दुनिया पर। पेट्रोल जैसी आवश्यक पदार्थ की कीमत पिछले 14 वर्षों के रिकार्ड तोड़ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल 139 डालर प्रति बैरल तक चला गया, कीमत ऊपर नीचे हो रही है, किंतु 100 डालर से नीचे जाने की अभी कोई उम्मीद नहीं है। दिल्ली में पिछले चार सप्ताह में पेट्रोल की कीमतें 15 बार बढ़ाई गई हैं। 22 मार्च से कीमत बढ?ी शुरू हुई, अब कुछ स्थिर है। देश के विभिनन शहरों में पेट्रोल 105 से 123 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। एलपीजी की कीमत भी निरंतर बढ़ रही है। भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत कच्चा तेल विदेश से आयात करता है, रूस और यूक्रेन दोनों ही कच्चे तेल और गैस के दुनिया के बड़े उत्पादकों में है। युद्ध के कारण सप्लाई चेन में जो बाधा आई है और अमेरिका तथा अन्य यूरोपीय देशों ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनका असर कीमतों पर तेजी से पड़ा है जो युद्ध जारी रहने तक रह सकता है। विकसित देशों की अपेक्षा भारत में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि सभी की कीमतें अधिक हैं। इनकी कीमतों में और वृद्धि होने से वायु, जल, थल सभी यातायात और महंगे हो हो रहे हैं। एयरलाइंस का 30 से 40 प्रतिशत खर्च ईंधन पर होता है। कारों में पेट्रोल, रेल ईंजन और ट्रकों में डीजल का बड़ी मात्रा में उपयोग होता है। रसोई गैस महंगी होने से आम आदमी का बजट तेजी से प्रभावित हुआ है। खाने के तेलों की कीमतों में भी

तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यूक्रेन सूर्यमुखी के फूलों, जिससे तेल बनाए जाते हैं, उसका दुनिया के बड़े उत्पादकों में एक है। युद्ध के बाद से भारत में खाने के तेलों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। थोक कीमतों का सूचकांक 14.5 प्रतिशत पर है जो पिछले 10 वर्षों में दूसरी बार इतनी ऊंचाई पर आया है। खुदरा कीमतों का सूचकांक भी 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गया है जो 17 माह बाद इस स्तर पर फिर आया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि सारी चीजों की कीमतों में उछाल लाती है। रोजमर्रा के उपभोग की चीजें- खाद्य पदार्थ, कपड़े, जूते, गाडिय़ां, सीमेंट, पेंट-वार्निश, आटो एवं ऊर्जा उत्पादन के लागत में वृद्धि होने लगी है। सेमीकंडक्टर जिसका इस्तेमाल आटो और इलेक्ट्रानिक सहित कई उद्योगों में होता है, पहले से ही महंगाई से जूझ रहा है, अब और तेजी से इनकी कीमतें बढ़ेंगी। दुनिया भर की चिप इंडस्ट्री काफी हद तक रूस और यूक्रेन पर निर्भर है। उर्वरक बनाने में उपयोग किए जाने वाले अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति रूस से बड़ी मात्रा में होती है, लेकिन इसके महंगे होने से खेती से संबंधित सभी उत्पादों की कीमतें प्रभावित होंगी। तांबा और प्लेटिनम आदि का भी रूस बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इन धातुओं की महंगाई से आटो, इलेक्ट्रानिक और कई सारे उद्योग प्रभावित होंगे। युद्ध के चलते रहने से खेत से लेकर कारखाने तक उत्पादन लागत में वृद्धि हो रही है। युद्ध से भारत का विदेश व्यापार प्रभावित हो रहा है। यूक्रेन में बनी चीजें एशिया में सबसे अधिक भारत में आयात होती है। इनमें तांबा, निकेल, केमिकल्स, मशीनरी, लकड़ी और लकड़ी के सामान, रक्षा सामग्री, प्लास्टिक, शीशा, कीमती पत्थर, खाने के तेल, मेवों, फलों, दूध और शक्कर से बनी खाने पीने की चीजें सम्मिलित हैं। भारत यूक्रेन को फार्मास्यूटिकल्स, टेलीकाम के कलपुर्जे, सेरेमिक्स, लोहा और इस्पात आदि का निर्यात करता है। दोनों देशों के बीच में लगभग 2.8 अरब डालर का व्यापार प्रतिवर्ष होता है। वहीं दूसरी ओर रूस भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार रहा है। भारत रूस से कच्चा तेल, रक्षा उपकरण, रासायनिक खाद, धातुएं, कीमती पत्थर आदि आयात करता रहा है। औसतन दो लाख बैरल कच्चा तेल भारत प्रतिदिन रूस से आयात करता है। रूस की बड़ी कंपनियां भारी संयंत्र उत्पादक- उरालमास, गैस उत्पादक- गाजप्रोम, न्यूक्लियर पावर फैसिलिटी उत्पादक- रोसआतम, पनबिजली एवं अणु ऊर्जा उत्पादक- शिलवीय मशीन और मिसाइल बनाने वाली ब्रह्मोस आदि का भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ बड़ी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर भी है। ओएनजीसी, इंडियन आयल आदि का रूसी कंपनियों में भारी निवेश है। तीन सौ के लगभग छोटी भारतीय कंपनियां रूस में पंजीकृत हैं। भारत रूस को मुख्य रूप से चावल, चाय, काफी, मसाले, दवाएं, चमड़े के सामान, ग्रेनाइट आदि निर्यात करता है। वर्ष 2021 में भारत ने रूस को 3.3 अरब डालर के सामान निर्यात किए थे। वैसे भारत के कुल विदेश व्यापार में रूस और यूक्रेन अमेरिका, चीन और यूरोपिय संघ के देशों से बहुत पीछे है। रूस भारत का 25वां बड़ा कारोबारी साझेदार है। युद्ध छिड़?े के बाद रूस ने भारत को कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय कीमतों से 35 प्रतिशत कम पर देने का प्रस्ताव किया है और भुगतान डालर की जगह रूबल में लेने को भी तैयार है जो भारत के हित में है। रुपया और रूबल के माध्यम से पहले भी भारत और रूस के बीच व्यापार होता रहा है। अमेरिका और नाटो देशों के प्रतिबंध के कारण रूस इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतर बैंक सिस्टम से अलग कर दिया गया है जिससे उसके लिए डालर में लेन-देन की समस्या खड़ी हो गई है। अंतरराष्ट्रीय करेंसियों- डालर, यूरो आदि की तुलना में रूबल काफी नीचे जा चुका है। भारत से रूबल-रुपया के माध्यम से व्यापार करने में रूस का भी हित है। भारत के रुपये की कीमत में भी कुछ गिरावट आई है, किंतु भारत के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार है, चीन जापान और स्विट्जरलैंड के बाद सबसे अधिक विदेशी मुद्रा भारत के पास है। भारत की मुद्रा और वित्त नीति निवेश बढ़ाने, बजटीय और व्यापार घाटे को सीमित रखने में सक्षम है। भारत की निर्यात क्षमता बढ़ी है, वर्ष 2021-22 में 400 अरब डालर का लक्ष्य पूरा हुआ जो अर्थव्यवस्था के निर्यातोन्मुख होने के संकेत दे रहा है। हालांकि इस युद्ध का एक अन्य पहलू यह भी है कि अनाज की कीमतें विश्व बाजार में तेजी से बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत के कृषि पदार्थों की मांग विश्व बाजार में बढ़ सकती है। देश के किसानों को इसका लाभ मिल सकता है। देश के कई हिस्सों में निजी कंपनियों द्वारा गेहूं की खरीद सरकार द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक कीमत पर की जा रही है।

# आखिर क्यों उठ रही देश में पीएफआइ पर प्रतिबंध लगाने की मांग

पिछले कुछ दिनों से पीएफआइ लगातार चर्चा में है, क्योंकि एक के बाद एक घटनाओं में उसका नाम आ रहा है। बीते दिनों गोवा के मुख्यमंत्री ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। ऐसी ही मांग कुछ और राज्य सरकारें कर चुकी हैं। पीएफआइ के बारे में केरल पुलिस ने दिसंबर, 2012 में केरल हाई कोर्ट में कहा था कि स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट यानी सिमी का ही नया रूप पापुलर फ्रंट आफ इंडिया यानी पीएफआइ है। इसके बाद 2018 में केरल पुलिस ने पीएफआइ पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत जताई थी, किंतु केरल की वामपंथी सरकार ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि हम प्रतिबंधों में यकीन नहीं करते और इस संगठन से राजनीतिक तौर पर लड़ेंगे। यह बात और है कि अब तक यह पता नहीं चल सका कि केरल सरकार उससे कैसे लड़ रही है पीएफआइ तब देश भर में चर्चा में आया था, जब 2010 में उसके लोगों ने केरल के एक प्रोफेसर टीजे जोसेफ पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर उनकी हथेली काट दी थी। केरल पीएफआइ का गढ़ है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उसने देश के अन्य राज्यों में जड़ें जमा ली है। उसके क्रियाकलाप वैसे ही है, जैसे सिमी के थे। वह करीब 20 राज्यों में सक्रिय है। केरल से लेकर असम तक की घटनाएं यही बताती है कि पीएफआइ के कई सहयोगी संगठन भी उसके मकसद को पूरा करने में दिन रात लगे हुए हैं। इनमें उसकी छात्र शाखा कैंपस फ्रंट आफ इंडिया प्रमुख है। कर्नाटक में हिजाब विवाद के भड़काने के पीछे कैंपस फ्रंट आफ इंडिया का नाम बार-बार आ रहा है। यह देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे संगठन को इस देश के अधिकतर कथित सेक्युलर दलों का सहयोग मिल रहा है। दिल्ली के कुख्यात शाहीन बाग धरने के पीछे पीएफआइ का ही हाथ था और यह किसी से

छिपा नहीं कि कांग्रेस सहित कई दलों के नेता शाहीन बाग में धरने पर बैठे लोगों को समर्थन देने गए थे। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार शाहीन बाग धरने के दौरान पीएफआइ के खातों में 120 करोड़ रुपये जमा हुए और फिर वहां से प्रदर्शनकारियों के खातों में ट्रांसफर किए गए। केरल में गठित पीएफआइ का मुख्यालय अब शाहीन बाग, दिल्ली में ही है।

# विश्व टीकाकरण सप्ताह के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य की दिशा में क्या किया जाना चाहिए

विश्व टीकाकरण सप्ताह मनाने का उत्साह इस साल चारों ओर दिखाई दे रहा है। इसका मुख्य कारण बीते दो वर्षों में सबसे अधिक फोकस कोविड महामारी के संक्रमण की रोकथाम पर था। लेकिन अब बाल टीकाकरण पर फिर से फोकस करने का समय आ गया है। अर्थात टीकाकरण की गति को तेज करना है और जो इससे वंचित रह गए, उन तक पहुंचना है। इस संदर्भ में यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि अब दुनिया में 25 से अधिक बीमारियों के लिए प्रभावशाली और सुरक्षित टीके उपलब्ध हैं। बीते 20 वर्षों में एक अरब से अधिक बच्चों का टीकाकरण हुआ है। जब से टीका बना है, तब से इसने जितनी जिंदगियां बचाई हैं, उनकी संख्या चिकित्सा नवाचारों के जरिए बचाई गई जिंदगियों से अधिक है, यह महान उपलब्धि कही जा सकती है। विश्व में 80 प्रतिशत से अधिक बच्चे जीवन रक्षक वैक्सीन लेते हैं, परंतु दो करोड़ 30 लाख ऐसे बच्चे हैं, जो वैक्सीन नहीं लगवा पाते। ऐसे अधिकांश बच्चे संघर्षरत क्षेत्रों, गरीब बस्तियों और दूर-दराज इलाकों में रहते हैं। गौरतलब है कि दुनियाभर में बच्चों की जिंदगी और उनके भविष्य को बचाने व स्वस्थ और सुरक्षित समुदायों के निर्माण के वास्ते टीकाकरण सबसे प्रभावी व किफायती तरीकों में से एक है। इस साल लोगों को टीकों के महत्व के बारे में बताने के लिए बाल अधिकारों के लिए काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनिसेफ (यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रंस इमरजेंसी फंड) जो दुनिया के 45 प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण के लिए जिम्मेदार है, उसने एक धन्यवाद पत्र जारी किया है। इस धन्यवाद पत्र में टीकों की खोज करने वाले विषाणु विज्ञानियों और इनके निर्माण स्थलों में काम करने वाले कर्मचारियों समेत इनकी ढुलाई में संलगन लोगों का आभार व्यक्त कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि टीकाकरण की इस महायात्रा में हरेक का योगदान महत्वपूर्ण है। दरअसल टीकाकरण उच्च संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए जरूरी है और ऐसे रोग शिशुओं व किशोरों की जिंदगी को जोखिम में डाल सकते हैं, क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता उस समय तक पूरी विकसित नहीं हुई होती। विश्व टीकाकरण सप्ताह का उद्देश्य विश्वभर में जिन रोगों की टीकाकरण से रोकथाम संभव है, उसके बारे में आम जन को बताना और ऐसे टीकाकरण की दर में वृद्धि करना है। उल्लेखनीय है कि इसका आयोजन वर्ष 2012 से किया जा रहा है और इसकी उपलब्धियां भी दुनिया ने देखी हैं। इस कारण विश्व में टीकाकरण दर में वृद्धि हुई, लेकिन बीते दो वर्षों में कोविड महामारी के कारण टीकाकरण भी काफी हद तक प्रभावित हुआ। एक अनुमान है कि इस दरम्यान दुनियाभर में एक साल से कम आयु के करीब दो करोड़ 30 लाख बच्चे मूलभूत टीके नहीं लगवा सके। जहां तक भारत का सवाल है, इस संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन व यूनिसेफ के एक अध्ययन (2020-2021) के मुताबिक करीब 32 लाख बच्चे नियमित टीकाकरण सेवाओं के तहत लगने वाले मूलभूत टीके लगवाने से छूट गए। भारत को बाल टीकाकरण का लंबा अनुभव है और उसके पास एक विजन भी है। इसी के मद्देनजर भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने मार्च-अप्रैल 2020 में राज्य सरकारों को कोविड महामारी के कड़े प्रोटोकाल का पालन करते हुए टीकाकरण सेवाओं को फिर से शुरू करने बाबत दिशानिर्देश जारी किए। देश में हर साल सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत लगभग तीन करोड़ गर्भवती महिलाओं व लगभग इतने ही नवजातों को टीके लगाए जाते हैं। भारत सरकार ने टीकाकरण की दर को गति देने के लिए 25 दिसंबर 2014 को मिशन इंद्रधनुष नामक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की और इसके अंतर्गत टीकाकरण की दर में भी वृद्धि हुई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि देश में 12-23 माह के बच्चों के पूर्ण टीकाकरण की राष्ट्रीय औसत दर 62 प्रतिशत से बढ़कर 76 प्रतिशत हो गई है। सात फरवरी 2022 को मिशन इंद्रधनुष 4.0 लांच हुआ। इसके तहत लक्ष्य हर गर्भवती महिला व शिशु का टीकाकरण करना है। फोकस ऐसे शिशुओं पर भी है जिन्हें नियमित टीकाकरण के तहत एक भी टीका नहीं लगा है यानी जिन्हें डिप्थीरिया, टेटनेस व काली खांसी वाली वैक्सीन की पहली खुराक भी नहीं दी गई है। ऐसे 'जीरो डोजड बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती है। ये बच्चे प्रायः वंचित तबकों से आते हैं, जिनमें ग्रामीण घर, सबसे गरीब परिवार, हाशिए पर रहने वाले समूह और कम शिक्षित महिलाएं शमिल हैं। मिशन इंद्रधनुष 4.0 की प्राथमिकता ऐसे बच्चों की पहचान करना व उनके टीकाकरण को प्राथमिकता देना है। ऐसे बच्चों को सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत सभी टीके लगे, यह सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है। टीकाकरण हर बच्चे का अधिकार है और हर बच्चे तक इसकी पहुंच होनी चाहिए। बाल अधिकार कन्वेंशन इस बात की वकालत करती है कि सभी बच्चों की पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं तक एक समान पहुंच होनी चाहिए, हर बच्चे के पास वैक्सीन से रोकथाम वाले रोगों से संरक्षण का बुनियादी अधिकार है।

## संक्षिप्त समाचार

### बिहार में समान नागरिक संहिता के सवाल पर बीजेपी को जेडीयू की दो-टूक, नीतीश के सीएम रहते इसका सवाल ही नहीं

**पटना।** भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी कर रही है। बिहार सहित बीजेपी शासित अन्य राज्यों में भी बीजेपी की तरफ से इसके लिए मांग तेज हो रही है। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में बीजेपी के साथ शामिल जनता दल यूनाइटेड ने दो-टूक कहा है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार है और उनके मुख्यमंत्री रहते किसी भी कीमत पर समान नागरिक संहिता को लागू करने का सवाल ही नहीं है। यह बड़ा बयान जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने दिया है। विदित हो कि भोजपुर के जगदीशपुर में वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समारोह के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री व बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने कहा था कि गृहमंत्री अमित शाह ने कह दिया है कि बीजेपी शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता को लागू किया जाएगा। सुशील मोदी के इस बयान के बाद उपेन्द्र कुशवाहा ने यह कड़ा बयान दिया है। कुशवाहा ने बिहार में समान नागरिक संहिता की जरूरत पर सवाल उठाते हुए कहा देश संविधान से चल रहा है और आगे भी उसी से चलेगा। जब बिहार में समान नागरिक संहिता की जरूरत ही नहीं है, तो इसका सवाल कहां से उठता है बिहार में नीतीश कुमार की सरकार के रहते यह लागू नहीं होगा। एनडीए की सरकार में इस बड़े मुद्दे पर जेडीयू अकेले कैसे फैसला कर सकता है, इस सवाल पर उपेन्द्र कुशवाहा ने दो-टूक कहा कि उनकी पार्टी अपनी नीतियों से समझौता नहीं कर सकती। चाहे जो भी हो, समान नागरिक संहिता का सवाल ही नहीं उठता है।

# मोबाइल झपटकर चोर पकड़े गये

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** सेक्टर-71 में रविवार को बाइक सवार तीन युवकों ने युवती से मोबाइल फोन छीन लिया। युवती ने शोर मचाया तो राहगीरों ने दो आरोपियों को पकड़ लिया जबकि एक आरोपी भाग गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-71 निवासी युवती रविवार को सेक्टर-71 बी ब्लॉक के पास से मोबाइल पर बात करते हुए जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार तीन युवकों ने उससे मोबाइल छीन लिया। मोबाइल छीनने के बाद युवती ने शोर मचा दिया। राहगीरों ने बाइक पर सवार दो युवकों को पकड़ लिया, जबकि एक युवक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची फेज 3 थाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ करने में जुटी है और मामले की जांच कर रही है।

# कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** सेक्टर-37 गोल्फ कोर्स के पास तेज रफ्तार कार सवार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची। सेक्टर 39 थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बहरामपुर गाजियाबाद निवासी अनिल शर्मा दिल्ली में अपना स्टूडियो चलाते थे। बताया गया है कि शनिवार देर रात को वह बाइक पर सवार होकर दिल्ली से नोएडा के रास्ते अपने घर बहरामपुर जा रहे थे। इस दौरान जब वह सेक्टर-37 गोल्फ कोर्स के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है।

# राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश, श्रम कल्याण परिषद की अध्यक्षता में आज श्रमिक प्रतिनिधियों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं श्रम विभाग के अधिकारी के साथ श्रम कल्याण परिषद द्वारा संचालित योजनाओं

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** सहायक श्रम आयुक्त कृते-उप श्रम आयुक्त गौतम बुद्ध नगर शंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय पंडित सुनील भराला अध्यक्ष / राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश, श्रम कल्याण परिषद द्वारा आज एन0ई0ए0 सभागार, सेक्टर-06, नोएडा, गौतमबुद्धनगर में श्रम कल्याण परिषद द्वारा संचालित योजनाओं यथा डा0 ए0पी0जे अब्दुल कलाम प्राविधिक शिक्षा सहायता योजना, गणेश शंकर विद्यार्थी पुरुस्कार राशि योजना, ज्योतिबा फुले कन्यादान योजना, राजा हरिशचन्द्र मृतक आश्रित सहायता योजना, दत्तोपंत ठेंगडी मृतक अंत्येष्टि सहायता योजना, महादेवी वर्मा श्रमिक पुस्तक क्रय धन योजना. श्रवण कुमार श्रमिक परिवार धार्मिक पर्यटन यात्रा योजना, चेतन चौहान श्रमिक क्रीडा प्रोत्साहन योजना के सम्बन्ध में प्रचार-प्रसार के लिए श्रमिक प्रतिनिधियों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं श्रम विभाग के अधिकारी के साथ बैठक का आयोजन किया गया। मा0 अध्यक्ष द्वारा 01 मई 2022 मई दिवस/श्रमिक दिवस के शुभ अवसर पर श्रवण कुमार श्रमिक परिवार धार्मिक पर्यटन यात्रा योजना पर अधिक से अधिक श्रमिक को लाभावित कराये जाने एवं उन्हें धार्मिक स्थलों पर यात्रा कराये जाने पर बल दिया गया।

# मिस बुंदेलखंड नेहा कश्यप संजय निगम अब देखेंगे बड़े पर्दे पर फिल्म का मुहूर्त हुआ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

**बुंदेलखंड।** डीबीटी फिल्म मुंबई के फिल्म जगत के सितारों एवं टीवी जगत के सितारों के साथ बुंदेलखंड के दिग्गज कलाकारों से सजी फिल्म



तुझको जाना होगा की शूटिंग 25 अप्रैल से छतरपुर के नौगांव से शुरू करने जा रही है फिल्म के को डायरेक्टर नितेश सिंघल जी ने बताया कि इस फिल्म की कहानी बहुत अलग है जो हर व्यक्ति के दिल को छू कर निकलेगी पलायन ,अम्मा की बोली, कांजी हाउस, जैसी फिल्म बना चुके बरसाना फिल्म्स इस फिल्म को प्रोड्यूस रही है इस फिल्म का निर्देशन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर नारायण चौहान जी करेंगे नारायण चौहान जी के अनुसार बुंदेलखंड में फिल्म लोकेशन की असीम संभावनाएं हैं इस फिल्म के बाद भी हम बहुत सारी फिल्में यहां बनाने का मन बना चुके हैं इस फिल्म से बुंदेलखंड की फिल्म जगत में अलग पहचान बनेगी फिल्म में मुंबई फिल्म जगत के नामचीन सितारे रतन राठौर जी (इश्कजादा फेम) सुनील कुमार जी व कुछ अन्य कलाकारों सहित बुंदेलखंड के मशहूर कलाकार यूपी 90 के गर्जन सिंह उर्फ संजय निगम अकेला बांदा मिस बुंदेलखंड नेहा कश्यप जी बांदा जगदीश शिवहरे महोबा राहुल नामदेव पनन अनुज जी पनन मुस्कान मंसौरिया, गगन, सर्वेश खरें, छतरपुर प्राची चौरसिया टीकमगढ़ सौरभ शर्मा, पुष्पेंद्र चौबे, विवेक रावत, सुनील तिवारी, श्याम लाल नायक, नौगांव के अलावा बहुत सारे नामचीन सितारे इस फिल्म को अपने अभिनय से सजाएंगे।

# चीन से सजावटी सामान भेजने के नाम पर 25 लाख ठगे

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** साइबर ठगों ने चीन से लाखों रुपये का सजावटी सामान भेजने के नाम पर नोएडा के एक व्यापारी से 25 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने फर्जी ईमेल आईडी के जरिए पीडि़त से संपर्क किया था। इस संबंध में व्यापारी ने साइबर सेल को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में पीडि़त सौरभ गर्ग ने बताया कि वह सेक्टर 5 में रहते हैं। वह सजावटी सामान का व्यापार करते हैं और चीन से सजावटी सामान मंगवाते थे। कोविड 19 के चलते दो साल पहले उनका कारोबार प्रभावित हो गया था। इस कारण उन्होंने चीन से सामान नहीं मंगवाया। हालात सामान्य होने पर व्यापार फिर बढ़ने लगा। इस पर उन्होंने सामान मंगवाने के लिए चीन की कंपनी को ईमेल किया। उन्होंने कंपनी की ईमेल आईडी में एक शब्द गलत लिख दिया। यह ईमेल ठगों की आईडी पर पहुंच गया। ठगों ने कंपनी से मिलती जुलती आईडी बना रखी थी। इसके बाद ठगों ने सौरभ से ई-मेल के जरिए संपर्क किया। आरोपियों ने खुद को चीन स्थित कंपनी का अधिकारी बताकर सामान भेजने की बात कही। पीडि़त को आरोपियों पर भरोसा हो गया। आरोपियों ने पूरे सामान का 30 प्रतिशत एडवांस में देने की बात कही। पैसे ट्रांसफर करने के लिए ठगों ने सौरभ को एक खाता नंबर मुहैया कराया। व्यापारी ने संबंधित खाते में 25 लाख ट्रांसफर कर दिए, मगर आरोपियों ने सामान नहीं भेजा। व्यापारी ने छानबीन की तो पता चला कि आरोपियों ने जिस खाते में पैसे मंगाए थे, वह चीन की कंपनी का नहीं है। फिर पीडि़त ने मामले की शिकायत साइबर सेल को दी। साइबर सेल ने मामले की जांच कर रही है।

# सीईओ जिला पंचायत ने पीएम आवास के पात्र हितग्राहियों से की चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा )
दुर्गेश कुमार गुप्ता

**शहडोल।** 23 अप्रैल 2022- मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र ने शुक्रवार को जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत पतेरियाटोला, भर्री एवं पथरवार सहित अन्य ग्रामों का भ्रमण करें। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक व उपयंत्री को निर्देशित किया कि योजना के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अवधि में गुणवत्तायुक्त आवासो का निर्माण कराया जावे। निर्धारित स्तर तक बना लिये गये आवासो का



किया। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों से चर्चा की तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दिए जा रहे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माणाधीन पीएम आवास में गुणवत्ता युक्त मटेरियल सुनिश्चित किया जाए एवं शीघ्र ही पूर्ण कराना सुनिश्चित जियोटैग कर आगामी किश्त व मजदूरी की राशि दिलाने हेतु बिना विलंब किये पोर्टल पर कार्यवाही भी सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन व मनरेगा के कार्यों, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्यो का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

# एस एन दुबे मेमोरियल क्रिकेट 25 अप्रैल से होगा

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** ऑल इंडिया एसएन दुबे मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 25 अप्रैल से शुरू होगा। इसमें दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की टीम भाग लेगी। प्रतियोगिता में दिल्ली, एनसीआर और सहारनपुर की आठ टीमें भाग लेंगी। सेक्टर-127 स्थित पायनियर क्रिकेट ग्राउंड पर प्रतियोगिता खेली जाएगी। प्रतियोगिता में सहारनपुर जिला, दिल्ली की तीन टीमे, गौतमबुद्धनगर, फरीदाबाद, की टीम दमखम दिखाएंगी।

# वरिष्ठ नागरिक मित्र मंडल ने वृक्षारोपण किया

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** पृथ्वी दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक मित्र मंडल के तत्वाधान तत्वावधान में डीएलएफ साहिबाबाद में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के



क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं हापुड़ जनपद के प्रभारी श्री मान सिंह गोस्वामी जी के नेतृत्व में हुआ , जिसमें वृक्षारोपण के बाद भाई मानसिंह गोस्वामी जी ने वरिष्ठ जनों के वृक्षारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि धरती पर जितनी हरियाली रहेगी उतना ही प्रदूषण घटेगा और जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से निजात मिलेगी, इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक श्री उदय भानु सिंह राघव ने कहा कि हमें पृथ्वी को पेड़ों से सजाकर स्वर्ग जैसा बनाने के प्रयास करते रहना चाहिए , पेड़ों से बातें करना उन्हें सुनना यह सब महसूस करना ही स्वर्ग की अनुभूति देता है इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक अमरदीप गुलाटी जी ने कहा के अगर हम जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव को रोकते हुए और भूमि ,वायु , पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधन को रोकते हुए जानवरों के दुखों को कम करने का प्रयास करते हैं तो हमारे लिए हर दिन ही पृथ्वी दिवस है और इसे हमें हर दिन ही मनाना चाहिए । कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन भानु के प्रदेश सचिव रवि राघव , मलय कुमार,रजनीश गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

# 14 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल0वाई0 ने समस्त जनपद वासियों का आह्वान करते हुये उन्हें जानकारी दी है कि आगामी 14 मई, 2022 द्वितीय शनिवार को पूरे जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय एवं तहसील स्तरीय न्यायालयों में होने जा रहा है। उन्होंने जानकारी देते हुये बताया कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामलें, बिजली व प्राधिकरणों के जल भुगतान से सम्बन्धित मामलें, धारा 138 एन0आई0एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा संबंधित मामले एवं प्री-लिटिगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद जिसमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन संधि के लिए इच्छुक हो, वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किये जाएंगे। अतः अधिक से अधिक सख्या में पहॅुच कर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें। 14 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन। उन्होंने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में समस्त तैयारियॉ समय रहते पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जायें, ताकि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराया जा सकें और राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए लम्बित/चिन्हित/निस्तारण योग्य वादों/प्रकरणों की सूचनायें निर्धारित प्रारूप एवं ई-मेल र्ॅंहहदर्ॅंसिंत.मदस् पर दिनांक 27 अप्रैल 2022 तक यथाशीघ्र सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद गौतमबुद्धनगर व अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध करा दें।

### युवा एकता सेवा समिति में हुआ प्रदेश अध्यक्ष का अभिनन्दन

(आधुनिक समाचार सेवा )

**मेरठ।** युवा एकता सेवा समिति संगठन के प्रदेश संरक्षक माननीय ललित चौहान जी के दिशा निर्देश पर मेरठ कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अंकित शर्मा खेडा। का कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश कोर कमेटी कार्यकर्ताओं/ पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए शीघ्र ही कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।वहीं पूर्व प्रदेश प्रमुख सोनू तानिया ने नई कार्यकारिणी के गठन में पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन करने का आश्वासन दिया।

# वेंडर्स का उत्पीड़न बंद किया जाए - श्रमिक नेता

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** प्राधिकरण के वर्क सर्किल संख्या- 8, नोएडा के अधिकारी/ कर्मचारियों द्वारा सेक्टर- 137 नोएडा की सोसाइटियों के आसपास



वेंडर्स को पिछले कई दिनों से दुकान लगाने से रोक रहे हैं। पीडित परेशान वेंडर्स ने पथ विक्रेताओं के प्रतिनिधियों को जानकारी दिया। मौके पर पहुंचे टीवीसी सदस्य गणेश कुमार, पूनम देवी, सोनिया चौहान, विनोद पंजियार को मौके पर मौजूद प्राधिकरण के कर्मचारियों ने बताया कि कि उन्हें ऊपर से आदेश मिले हैं वेंडर्स को हटाने के लिए पूछने पर उन्होंने बताया कि पैरामाउंट सोसायटी मे रहने वाले अभीष्ट गुप्ता नाम के व्यक्ति द्वारा मुख्यमंत्री व उच्च अधिकारियों को वेंडर्स को हटाने के संबंध में शिकायत की गई है। इसलिए यह कार्रवाई की जा रही है। उक्त पर मौजूद वेंडर्स ने अधिकारियों/ कर्मचारियों को बताया कि पैरामाउंट सोसायटी में रहने वाला अभिषेक गुप्ता नाम का व्यक्ति वेंडर से अवैध उगाई करता था हम लोगों ने उसे अवैध उगाही देना बंद कर दिया इसलिए वह फर्जी शिकायत कर हमें परेशान करवा रहा है। सेक्टर 137 नोएडा की सोसाइटी में हजारों हजार लोग रहते हैं लेकिन किसी को कोई परेशानी नहीं है इसका समर्थन वहां मौजूद सोसाइटी के कई नागरिकों ने भी किया। विवाद बढ़ता देख अथॉरिटी के कर्मचारी वहां से चले गए। उसके बाद वेडर्स ने दुकान लगाई। कामगारों के नेता ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण व अन्य उच्च अधिकारियों से अभीष्ट गुप्ता द्वारा की गई शिकायत को रद्द करने और झूठी फर्जी शिकायत व सरकार अधिकारियों को गुमराह करने आदि के लिए अभीष्ट गुप्ता के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया साथ ही नोएडा प्राधिकरण वर्क सकिल संख्या- 8 के अधिकारियों/ कर्मचारियों को वेंडर्स को दुकान लगाने देने के लिए आदेश/ निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया। वेंडर्स व उनके प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ और वेडर्स को दुकान लगाने से रोका तो इस मामले में लेकर आंदोलन किया जाएगा।

# सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसरख में आयोजित स्वास्थ्य मेले का जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी के द्वारा फीता काटकर किया गया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप एवं जिला अधिकारी सुहास एलवाई के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद गौतम बुद्ध नगर के समस्त ब्लॉकों में 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसरख में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। आयोजित स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी के द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी



प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य को लेकर बहुत ही गंभीर है एवं स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त जनपदों में स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंच सके। उन्होंने आम नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आयोजित स्वास्थ्य मेला में स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के द्वारा अपने अपने स्टाल लगाकर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। अतः स्वास्थ्य मेलों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर जनकल्याणकारी योजना का लाभ अवश्य उठाएं। आज आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले में कुल 1410 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया तथा 01 लाभार्थियों को आयुष्मान, 42 लाभार्थियों के हेल्थ कार्ड एवं चेकअप के 113, कैजुअल ओपीडी के 421, कार्डियोलॉजी के 17, अस्थमा के 21, डेंटिस्ट के 17, ओप्ट्रो 19, ऑब्स्ट्रो गाइन के 62, बाल रोग के 102, डायबिटीज के 32, कैंसर के 18, स्किन के 7, आयुर्वेद के 232, यूनानी के 172, होम्योपैथिक के 195, ब्रेस्ट फीडिंग के 12, फैमिली प्लानिंग के 36, पोलियो ड्रॉप वैक्सीनेशन के 49, मेंटल हेल्थ के 22, कोविड टीकाकरण 557, ब्लड टेस्ट के 237 लाभार्थियों का स्वास्थ्य मेले में उपचार किया गया एवं अन्य लाभार्थियों की कंसलटेंसी की गई इस अवसर पर एसीएमओ ललित मोहन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ सचिंद्र मिश्रा एवं अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। आयोजित मेले में जिला कार्यक्रम प्रबंधक मंजीत सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा, विभिन्न कार्यक्रमों के कंसलटेंट, कार्डिनेटर तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों को सेवा दी गई। बिसरख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आयुष विभाग, होम्योपैथी विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, युवा एवं खेल विभाग, बाल विकास परियोजना विभाग, शिक्षा विभाग के द्वारा अपने अपने स्टाल लगाकर जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने की कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

# जेवर में अवैध असलाह फैक्टरी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा )
देव मणि शुक्ल

**नोएडा।** जेवर कोतवाली पुलिस ने खादर के मढैया गांव स्थित घर में चल रही अवैध हथियार बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आरोपी घर के मालिक और उसके साथ काम करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से दो पिस्टल, छह तमंचा, पांच अधबने तमंचा, लोहे की नाल, कारतूस और असलाह बनाने के उपकरण आदि सामान बरामद किया है। एडीसीपी विशाल पांडे ने बताया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जेवर खादर के मढैया गांव में जगबीर के घर में अवैध असलहा बनाने की फैक्टरी चल रही है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी के घर पर छापेमारी की। पुलिस की छापेमारी में घर में चल रही अवैध फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने मौके से घर के मालिक आरोपी जगबीर और उसके चार अन्य साथी बिलाल, आसिफ, समीर और शाहरुख निवासी जहांगीरपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से दो पिस्टल, छह तमंचा, पांच अधबने तमंचा, लोहे की नाल, कारतूस, असलहा बनाने के उपकरण और एक गाड़ी आदि सामान बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पिछले एक महीने से घर में अवैध असलहा बनाने की फैक्टरी चला रहे थे।जेवर खादर के मढैया गांव में रहने वाले जगबीर के घर में बनाई जा रही अवैध पिस्टल 38 हजार रुपये में बेची जा रही थी। आरोपी तमंचा 10 से 12 हजार रुपये में बेचते थे। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी जगबीर घर में अवैध हथियार तैयार करता था। जबकि उसके चार अन्य साथी अवैध हथियार सप्लाई करते थे। लोगों के डिमांड पर अवैध हथियार तैयार कर बेचे जा रहे थे। पुलिस गैंग में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अवैध हथियार किन लोगों को बेचे गए इस बारे में भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

# 'केजीएफ 2' की सुनामी में उड़ी 'जर्सी', पहले वीकेंड पर कमाए सिर्फ इतने रुपए

**नई दिल्ली।** 3 शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म जर्सी का पहला वीकेंड खत्म हो चुका है। जैसी की उम्मीद की जा रही थी 'केजीएफ 2' के सामने रिलीज होने वाली हर फिल्म उसकी सुनामी में बह जाएगी, ठीक वैसा ही हुआ। काफी सोच समझकर जर्सी के मेकर्स ने इसे 22 अप्रैल को रिलीज

किया था, जिसका कोई फायदा नहीं हुआ। शाहिद कपूर भी अपनी पिछली दो फिल्मों 'कबीर सिंह' और 'पद्मावत' वाला करिश्मा नहीं दोहरा पाए। दरअसल, पिछले साल भी कोरोना की तीसरी लहर आने से पहले 'जर्सी' का प्रमोशन शुरू कर दिया गया था, पर बाद में सिनेमाघरों के बंद होने के बाद इसकी रिलीज डेट टाल दी गई। ऐसा करने से फिल्म की कॉस्ट बढ़ गई और दोबारा प्रमोशन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। दूसरी तरफ बॉक्स ऑफिस पर 'केजीएफ 2' की सुनामी चल रही है। जिसका खामियाजा भी शाहिद कपूर की फिल्म को भुगतना पड़ा है। शाहिद कपूर की जर्सी ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही धीमी शुरुआत की। जर्सी ने शुक्रवार को महज 4 करोड़ की कमाई की थी। ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, तीसरे दिन फिल्म ने 5 करोड़ का बिजनेस किया है। जिससे यह स्पष्ट है कि निर्देशक प्रशांत नील की 'केजीएफ चैप्टर 2' ने शाहिद की फिल्म के नंबरों को प्रभावित किया। रमेश बाला ने ट्वीट किया, 24 अप्रैल रविवार के शुरुआती अनुमान - हिंदी फिल्मों के लिए इंडिया नेट में केजीएफ 2 - 25 करोड़, जर्सी - 5 करोड़ ।ठ इस बीच, रिपोर्टों के अनुसार, रविवार, 24 अप्रैल को जर्सी के लिए कुल 24.21 प्रतिशत हिंदी ऑक्यूपेंसी थी। कुल मिलाकर ये कहना गलत नहीं होगा कि शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' ने हिंदी में धूम मचा रही कनन्ड़ फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' के आगे घुटने टेक दिए है। फिल्म 'जर्सी' जहां पहले वीकेंड के कलेक्शन में ही कुल 15 करोड़ रुपए तक पहुंचने में दम तोड़ती नजर आ रही है। तो वही फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' हिंदी ने दूसरे वीकेंड में हाफ सेंचुरी मार दी है। फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' ने दूसरे वीकेंड के शुक्रवार को 11.56 करोड़ रुपए, शनिवार को 18.25 करोड़ रुपए और रविवार को करीब 25 करोड़ रुपए कमाए हैं।

# शहनाज गिल को छेड़ते दिखे हर्ष लिंबाचिया, फूटा भारती सिंह का गुस्सा किया पति का ये हाल

**नई दिल्ली।** भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया हाल ही में एक बेटे के माता- पिता बने हैं। डिलीवरी के बाद भारती कुछ दिनों के लिए ब्रेक पर चली गई थीं। इस दौरान उनके पति हर्ष दूसरी एक्ट्रेसेस के साथ काफी मस्ती मजाक करते हुए नजर आ रहे थे। अब भारती काम पर वापस लौट चुकी हैं और अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को पूरा

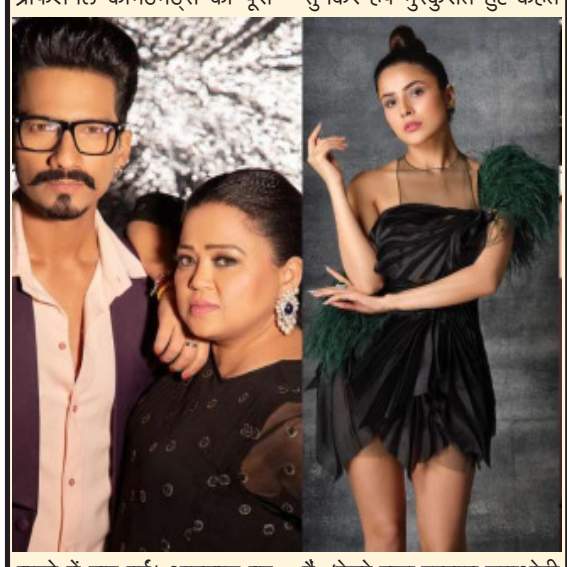

करने में जुट गईं। आजकल वह हर्ष के साथ रिएलटी शो 'द खतरा खतरा शो' को होस्ट कर रही हैं। जहां हर्ष एक्ट्रेस शहनाज गिल के साथ फ्लर्ट करते हुए नजर आए। जिसे देख भारती गुस्से में आ गई और पति का कॉलर पकड़ लिय दरअसल, भारती और हर्ष अपने शो में आने वाले हर गेस्ट के साथ खूब मस्ती मजाक करते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। 'द खतरा खतरा शो' के सेट पर दोनों ने शहनाज गिल के साथ मिलकर सबको एंटरटेन किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में हर्ष मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं और धीरे से शहनाज को कंधे से धक्का मारते हैं और पूछते हैं, 'कॉफी पीने चलें।' हर्ष के इस अंदाज से शहनाज का मुंह बन जाता है और वह अजीब महसूस करने लगती हैं। इसके साथ ही बैकग्राउंड में 'दिल बेचारा' सॉन्ग प्ले होता है। हर्ष के ऐसा करने पर शहनाज रिएक्ट करते हुए कहती है, 'इसने छेड़ा मेरे को।' ये बात सुनकर हर्ष मुस्कुराते हुए कहते हैं- 'देखो झूठा इल्जाम लगाओगी तो पक्का छेड़ूंगा मैं।' इस पर शहनाज स्टेज पर ही खड़ी भारती की ओर इशारा करते हुए कहती हैं- दो पंजाब की लड़कियां हड्डी कट्टी, चल मैं पतली हो गई थोड़ी सी तो ये मत सोचना कि जोर कम हो गया।' इसके बाद भारती सिंह गुस्से से लाल हो जाती हैं और हर्ष का कॉलर पकड़ते हुए कहती हैं- 'और मैं तो पतली भी नहीं हुई और मेरे में जोर भी पूरा है।' शहनाज गिल, हर्ष लिंबाचिया और भारती सिंह का यह वीडियो बहुत ही मजेदार है। जो फैन्स को खूब पसंद आ रहा है।

# इस सिंगिंग रियलिटी शो से बाहर हो गए थे अरिजीत सिंह, फिर ऐसी बने गए बेहतरीन गायक

**नई दिल्ली।** इन दिनों बॉलीवुड की ज्यादातर फिल्मों में अपनी खूबसूरत आवाज देने वाले दिग्गज सिंगर अरिजीत सिंह अपना जन्मदिन 25 अप्रैल को मानते हैं। अरिजीत सिंह हमेशा से अपनी शानदार आवाज के अलावा अलग स्टाइल की गायकी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अब तक कई हिंदी और बांग्ला फिल्मों में बेहतरीन गाने गाए है, जिसे दर्शक

हमेशा से पसंद करते आए हैं अरिजीत सिंह का जन्म 25 अप्रैल 1987 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुआ था। उनके पिता कक्कड़ सिंह एक सिख थे जबकि मां अदीति बंगाली थे। अरिजीत सिंह का संगीत की ओर बचपन से ही लगाव था। यही वजह थी कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। अरिजीत सिंह ने अपने करियर की शुरुआत तबला बजाने से की थी। इसके बाद धीरे-धीरे उन्होंने गायकी की ओर रुख किया रोमांटिक और दर्द भरे गानों के लिए उनकी एक अलग पहचान है। उनके गाए गानों में प्यार करने वाले अपनी जिंदगी के मायने तलाशते हैं। अरिजीत सिंह को पहली बार सिंगिंग रियलिटी शो फेम गुरुकुल में देखा गया था। हालांकि इस शो में वह कम वोट हासिल करने के चलते बाहर हो गए थे, लेकिन अरिजीत सिंह की मेहनत और किस्मत ने उनका कभी साथ नहीं छोड़ा। फेम गुरुकुल के बाद संजय लीला भंसाली ने अरिजीत सिंह अपनी फिल्म सांवरिया के लिए गाने का मौका दिया, लेकिन वह गाना रिलीज नहीं हो सका। वहीं टिप्स के मालिक रमेश तुर्रानी ने उन्हें एक संगीत एल्बम के लिए भी साइन किया था पर वह भी रिलीज नहीं हो सका। ऐसे में अरिजीत सिंह के संघर्ष का दौर जारी रहा। इसके बाद साल 2006 में अरिजीत सिंह मुंबई शिफ्ट हो गए। मुंबई शिफ्ट होने के बाद मानो उनकी किस्मत पलट गई। उन्होंने धीरे-धीरे काम मिलना शुरू हुआ। साल 2010 में अरिजीत सिंह ने म्यूजिक कंपोजर प्रीतम के साथ मिलकर तीन फिल्म गोलमाल 3, क्रूक और एक्शन रिप्ले के लिए काम किया। उन्होंने बतौर सिंगर बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत साल 2011 में आई फिल्म मर्डर 2 से की थी। इस फिल्म में उन्होंने फिर मोहब्बत गाना गाया था। इसके बाद अरिजीत सिंह ने एजेंट विनोद, प्लेयर्स, कॉकटेल और बर्फी जैसी फिल्मों के लिए गाने गाए और संगीत दिया, लेकिन अरिजीत सिंह को असली पहचान फिल्म आशिकी 2 से मिली थी। यह फिल्म साल 2013 में आई थी, जिसके गाने लंबे समय तक हिट रहे थे। इस फिल्म का मेरी आशिकी तुम ही हो आज भी जवां दिलो की पहली पसंद है। इस फिल्म के लिए अरिजीत सिंह को फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था। इसके बाद अरिजीत सिंह ने कई फिल्मों के लिए हिट गाने गाए। उन्होंने साल 2014 में कोयल रॉय से शादी कर ली, उनके दो प्यारे बच्चे भी हैं अरिजीत ने तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड समेत कई अवॉर्ड अपने नाम किये! उनके गाए कुछ हिट गीतों में से- 'चनन मेरेया', 'आज से तेरी 'तेरा यार हूं मैं' आदि शामिल है 'आशिकी 2' के गाने 'तुम ही है और 'फटा पोस्टर निकला हीरो' के गाने 'मैं रंग शर्बतों का..' से एक बड़ी पहचान मिली! उन्होंने संगीत की बकायदा ट्रेनिंग ली है ।

# शिल्पा शेट्टी पर चढ़ा 'केजीएफ' स्टार रॉकी भाई का खुमार, देखें वीडियो

**नई दिल्ली।** रॉकिंग स्टार यश, संजय दत्त और रवीना टंडन अभिनीत फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 के डायलॉग्स बॉलीवुड सेलेब्स और लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। अब एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने रॉकी

भाई के एक डायलॉग को रीक्रिएट किया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि, अभिनेत्री से पैपराजी केजीएफ चैप्टर के बारे में पूछ रहे हैं और शिल्पा फोटोग्राफर्स को जबाव देते हुए कहती हैं। वायलेंस वायलेंस वॉयलेस आई डोंट लाइक इट, बट वायलेंस लाइक्स मी और इसके बाद वो काफी जोर से हसने लगती है। इस दौरान अभिनेत्री का डायलॉग बोलने का काफी जुदा अंदाज भी देखने को मिल रहा है। शिल्पा शेट्टी की इस वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। वहीं, वीडियो पर एक्ट्रेस ने खुद अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। हाल ही में वो रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी प्राइम ओरिजनल फिल्म 'इंडियन पुलिस फोर्स' में एंट्री को लेकर खासी चर्चा में थी। फिल्म में उनकी एंट्री का एलान फर्स्ट लुक के साथ किया गया है। जिसमें शिल्पा हाथों में बंदूक लिए जलती हुई गाड़ियों के बीच फुल एक्शन के मूड में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के इस फर्स्ट लुक को साझा कर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी ने लिखा, 'शिल्पा स्कॉयड में आपका स्वागत है! गन बैटल, हैड टू हैड कॉम्बैट, हाई स्पीड चेज और हां उड़ती हुई कारों के लिए तैयार हो जाइए इंडियन पुलिस फोर्स। आपको बता दें, इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी के साथ अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। एक्ट्रेस से पहले फिल्म निर्माता ने इस एक्टन रोमांच फिल्म का एलान कर अभिनेता का फर्स्ट लुक रिवील किया था बता दें, एक्ट्रेस ने कई सालों बाद प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हांगामा 2' से बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी, परेश रावल, मीजान जाफरी और प्रणिता सुभाष ने अहम किरदार निभाएं हैं। जानकारी के अनुसार शिल्पा शेट्टी हाल ही में 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में नजर आई थीं और इस साल वो फिल्म 'निक्कमा' में भी नजर आने वाली है।

# शिल्पा शेट्टी ने रोहित शेट्टी संग स्वैग से की एंट्री, कॉप यूनिवर्स में आने के बाद दिखा एक्ट्रेस का धाकड़ अंदाज

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज को लेकर काफी चर्चा में बने हुए है। रोहित का ये प्रोजेक्ट भी उनकी कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है। जिसके साथ रोहित ने ओटीटी पर धमाकेदार डेब्यू करने की प्लानिंग की है। रोहित के इस प्रोजेक्ट का नाम है 'इंडियन पुलिस फॉर्स' है। हाल ही में उन्होंने अपने कॉप यूनिवर्स की टीम में दो नई भर्तियां की थी। जिसकी झलक उन्होंने फैंस के साथ शेयर की थी और वह दो नए चेहरे सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी हैं। अब शिल्पा ने, रोहित शेट्टी के साथ अपना एक और नया वीडियो शेयर किया है। जिसमें दोनों का धाकड़ अंदाज देखने को मिल रहा है।

# दिवंगत लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर को अस्पताल में किया गया भर्ती, पढ़ें पूरी खबर

**नई दिल्ली।** भारत रतन लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर को मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हृदयनाथ

मंगेशकर दीनानाथ मंगेशकर के बेटे हैं और लता मंगेशकर और आशा भोसले के छोटे भाई हैं। हृदयनाथ मंगेशकर को अस्पताल में भर्ती करने की खबर की पुष्टि उनके बेटे आदिनाथ मंगेशकर ने की है। हृदयनाथ मंगेशकर को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आदिनाथ ने इस बात की भी जानकारी दी कि डॉक्टरों ने कहा है कि 10 दिनों में उनके पिता को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा और अस्पताल में भर्ती करने के बाद उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। इसके पहले लता दीनानाथ मंगेशकर अवॉर्ड के उपलक्ष्य में आदिनाथ मंगेशकर ने कहा, ' हर वर्ष मेरे पिताजी इस पुरस्कार के बारे में जानकारी देते हैं। हालांकि इस वर्ष वह ऐसा नहीं कर पाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भगवान के आशीर्वाद से वह 8 से 10 दिनों में अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर आ जाएंगे। वह ठीक है और उनकी सेहत में सुधार हो रहा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार दिया जा रहा है। उन्होंने भी हृदयनाथ मंगेशकर के जल्द ठीक होने की कामना की। गौरतलब है कि लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित होने वाले वह पहले व्यक्ति है। लता मंगेशकर के देहांत के बाद दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार को लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार कर दिया गया है। लता मंगेशकर का इस वर्ष 6 फरवरी को मुंबई में निधन हो गया था। हृदयनाथ मंगेशकर ने कई फिल्मों में म्यूजिक दिया है इसके अलावा वह अपनी बहनों के साथ कई अलबम भी बना चुके है।

# नमिता थापर ने पसंदीदा स्टार्टअप में किया इन्वेस्ट पहले चुक गई थी मौका

**नई दिल्ली।** शार्क टैंक इंडिया में जज बनकर नजर आई नमिता थापर ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि उन्होंने किसान पांडुरंग तावडे के स्टार्टअप में निवेश किया है उन्होंने सोशल मीडिया पर पांडुरंग के परिवार के साथ एक तस्वीर शेयर कर इस बात की जानकारी दी है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पहले इसमें निवेश करने से चूक जाने का उन्हें बाद में बहुत पछतावा हुआ है नमिता थापर एम केयर फार्मास्यूटिकल की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर है इसके अलावा वह शार्क टैंक इंडिया की को जज भी है अब उन्होंने जानकारी दी है कि उन्होंने किसान पांडुरंग तावडे के स्टार्टअप में इन्वेस्ट किया हैत् उन्होंने इस बात का खुलासा भी किया कि पांडुरंग और कमलेश के स्टार्टअप में पैसा निवेश नहीं करने का उन्हें दुख है

# प्रतीक गांधी ने मुंबई पुलिस पर लगाया अपमानित करने का आरोप कहा- 'मुझे कंधे से पकड़कर खींचा'

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेता प्रतीक गांधी को मुंबई पुलिस के साथ एक खराब अनुभव का सामना करना पड़ा है। जिसको

अभिनेता ने अपनी 'बेइज्जती' बताया है। प्रतीक गांधी ने मुंबई पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनका अपमान किया है। यह घटना रविवार की है। मुंबई के एक हाईवे पर वीआईपी मूवमेंट की वजह से पुलिस ने अभिनेता के साथ खराब बर्ताव किया है। इस बात की जानकारी खुद प्रतीक गांधी ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। प्रतीक गांधी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के जरिए मुंबई पुलिस के खिलाफ ट्वीट किया। प्रतीक गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, 'मुंबई का वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे वीआईपी मूवमेंट के लिए जाम था। मैंने शूटिंग की लोकेशन पर पहुंचने के लिए पैदल चलना शुरू कर दिया था। इस पर पुलिस में मुझे कंधे से पकड़कर खींचा और एक मार्बल के गोदाम में इंतजार करवाया। तब तक उन्होंने मुझे कुछ बताया भी नहीं। अपमानित किया गया।' सोशल मीडिया पर प्रतीक गांधी का यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेता के फैंस और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स उनके ट्वीट पर कमेंट कर रहे हैं। साथ ही अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। हालांकि मुंबई पुलिस ने एक दिन पहले ही शहर के लोगों को इस बात की जानकारी दे दी थी कि रविवार को दोपहर 3 बजे से 9 बजे तक वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे वीआईपी मूवमेंट जाम रहेगा। बात करें प्रतीक गांधी के वर्कफ्रंट की तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज द ग्रेट इंडियन मर्डर में देखा गया था। उनकी इस वेब सीरीज को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा प्रतीक गांधी जल्द फिल्म 'वो लड़की है कहां' में नजर आने वाले है। इस फिल्म में वह मशहूर अभिनेत्री तापसी पनू के साथ दिखाई देंगे। यह पहला मौका होगा जब प्रतीक गांधी और तापसी पनू एक साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। बीते दिनों फिल्म 'वो लड़की है कहां' सेट से तापसी ने फिल्म के फर्स्ट लुक को शेयर किया था, जिसमें वो अभिनेता प्रतीक गांधी के साथ नजर आई थीं। तस्वीर में अभिनेत्री अपने हाथ लिए एक मानचित्र को देख रही थे। जबकि प्रतिक हाथ में दूरबीन लिए मैप की ओर देख रहे थे। जानकारी के अनुसार फिल्म की शूटिंग इस साल जनवरी से राजस्थान के जयपुर में शुरू हो चुकी है।

# आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के प्रीवेडिंग फंक्शन की तस्वीर हुई वायरल परिवार के साथ यूं किया एंजॉय

**नई दिल्ली।**आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बीते 14 अप्रैल को शादी के बंधन में बध गए है। लेकिन दोनों के शादी की कई तस्वीरें बैक टू बैक वायरल हो रही हैं। इसी बीच की आलिया रणबीर की प्री-

वेडिंग फंक्शन की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया अपने पूरे परिवार के साथ नजर आ रही हैं। नई दिल्ली, जेएनएन। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बीते 14 अप्रैल को शादी के बंधन में बध गए है। लेकिन दोनों के शादी की कई तस्वीरें बैक टू बैक वायरल हो रही हैं। इसी बीच की आलिया रणबीर की प्री-वेडिंग फंक्शन की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया अपने पूरे परिवार के साथ नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर आलिया-रणबीर के फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर पूरे परिवार की तारीफ कर रहे है। वहीं, टीना द्वारा शेयर इस तस्वीर में आलिया की मां ने कमेंट कर उन्होंने बताते हुए लिखा, परिवार। जबकि रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर सहानी ने भी कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आपको को बता दें, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपनी शादी के कुछ दिनों बाद की अपने काम की ओर निकल गए थे। रणबीर कपूर इन दिनों मनाली में संदीप रेड्डी वांग के निर्देशन में बन रही फिल्म एनिमल की शूटिंग कर रहे हैं। बीते दिनों मनाली सेट से उनकी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ तस्वीरें वायरल हुई थी, जिसमें दोनों ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रहे है। वहीं, आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में वो एक मध्यम वर्गी परिवार की लड़की का रोल निभा रही है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

# बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

**पूछे गए सवाल**

**प्रश्न-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

**उत्तर-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

**प्रश्न-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

**उत्तर-** वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

**प्रश्न-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

**उत्तर-** कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

**प्रश्न-** आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

**उत्तर-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

# बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्युनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल,
एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734,
7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274